दैनिक
सांध्य प्रकाश

भोपाल की धड़कन

वर्ष 52/ अंक 207/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ■आर.एन.आई 22296/71 ■डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, शुक्रवार 10 मार्च 2023 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

सांध्यप्रकाश विशेष

इन्दौर में 25 मार्च को निकलेगा पशु-अधिकार मार्च

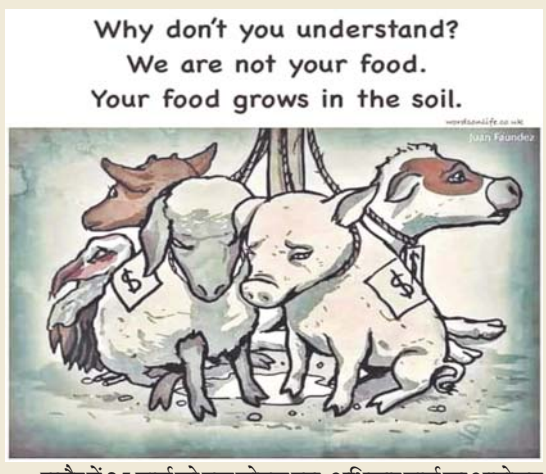

इन्दौर में 25 मार्च को एक ज़ोनल पशु-अधिकार मार्च का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें हम सब एनिमल-राइट्स एक्टिविस्ट्स पैदल रैली निकालेंगे। वही पशु, जिन्हें आप मारकर खा जाते हैं और आपको अपराध-बोध भी नहीं होता। जो आपके तमाम त्योहारों पर सबसे ज़्यादा क्रूरता झेलते हैं। जिन्हें सम्पूर्ण मनुष्यता के द्वारा एकमत होकर त्याग दिया गया है और इस पाप पर सर्वसम्मति बना ली है कि उनके जीने-मरने, दुःख-सुख से हमें कोई सरोकार नहीं। पर इतने भर से उनके भीतर दिपदिपाती चेतना का पुँज तो विलीन नहीं हो जाता और इससे आप भी अपने अपराध से बरी नहीं हो जाते।

वही पशु- जो लिख नहीं सकते, बोल नहीं सकते, वोट नहीं दे सकते- केवल इतने भर से जिनका पूरी दुनिया में शोषण किया जा रहा है, अवर्णनीय क्रूरताएँ उन पर की जा रही हैं। वही पशु- जिनका अपना परिवार होता है, जैसे आपका परिवार है। जिनके अपने बच्चे होते हैं, जैसे आपके बच्चे हैं और उन्हें अपने बच्चों से आपसे कम लगाव नहीं होता। वही पशु- जो दर्द को अनुभव कर सकते हैं, जिन्हें डर लगता है, जो जीना चाहते हैं, उतना ही जितना आप जीना चाहते हैं और ये किसी किताब में नहीं लिखा कि उन्हें जीवित रहने का अधिकार नहीं। यह भी किसी किताब में नहीं लिखा कि वे मनुष्यों की तुलना में दोयम हैं, हीन हैं और अगर हैं तो केवल इसलिए उन्हें मार डालना चाहिए।

वही पशु- जिनके भीतर वैसी ही चेतना है, जैसी आपमें है। भावना है। व्यक्तित्व है। आप उनके साथ ऐसा नहीं कर सकते। इस पैदल मार्च में हम वीगन्स सम्मिलित होंगे। एनिमल-लवर्स और वीगन्स में अंतर होता है। एनिमल-लवर्स पेट-लवर्स भी हो सकते हैं, जो अपने कुत्ते या बिल्ली से बहुत प्यार करते हैं, लेकिन मुर्गे या बकरे या सुअर को मारकर खा जाते हैं। या वे इनकी हत्या करने के लिए दूसरों को पैसा देते हैं। जबकि वीगन्स वो हैं, जो अपनी जीवनशैली में बदलाव लाते हैं और अनेक त्याग करते हैं, ताकि अपने जीवन को जितना सम्भव हो, उतना क्रूरतामुक्त बना सकें।

जो लोग सामाजिक-न्याय की बात करते हैं, वंचितों के शोषण का विरोध करते हैं, वे बतलाएँ कि पशुओं को इस तर्क से क्यों वंचित रखा जाता है? नारीवाद की बात करने वाली स्त्रियाँ उन गायों-भैंसों की चिंता क्यों नहीं करतीं, जिनके शरीर को दूध और माँस पैदा करने की मशीन बना दिया गया है? क्या वे उनसे कमतर मादाएँ हैं? दुनिया के सभी पर्यावरणविद् अभी तक पशु-अधिकारों के लिए एकमत क्यों नहीं हैं (भारत के एक प्रतिष्ठित एनवायरमेंटलिस्ट ने तो बड़ी निर्लज्जता से बीफ़ का सेवन करते हुए अपनी तस्वीर ट्विटर पर लगाई थी), जबकि पशुओं का बलात् दोहन-शोषण न केवल प्रकृति-विरुद्ध है, वह पर्यावरण के लिए भी हानिकारक है।

सामाजिक-न्याय के सिद्धांतों में दलित, अल्पसंख्यक, अश्वेत, आदिवासी, स्त्री को सम्मिलित किया गया है, पर पशुओं को नहीं। क्यों? क्या मनुष्यों का समाज प्राणी-जगत से भिन्न है, पृथक है? क्या यह समूची पृथ्वी जैव-विविधता का एक समारोह नहीं और क्या मनुष्य इसका हिस्सा होने के बजाय इसका स्वामी है? यहाँ तक कि खाद्य-शृंखला का प्राकृतिक तर्क भी उस फ़ैक्टरी-फ़ार्मिंग की अनुमति नहीं देता, जिसके चलते अरबों की संख्या में पशुओं को केवल इसलिए जन्म दिया जा रहा है, ताकि उनके माँस, दूध, ऊन, चमड़े के लिए उनका शोषण किया जाए और उन्हें अत्यन्त अमानवीय परिस्थितियों में जीने को विवश किया जाए।

पृथ्वी पर अगर कहीं नर्क है, तो वह एनिमल-फ़ार्म और स्लॉटरहाउस में है। अगर आपको अभी तक इसकी चेतना नहीं है तो चेतना जगाइए, आप इससे आँखें नहीं मूँद सकते हैं। 25 मार्च को हम इन्दौर में सड़कों पर पैदल चलेंगे, ताकि जो बोल नहीं सकते, उनकी चीत्कारें आप तक पहुँचाएँ। अगर आप भी सम्मिलित होना चाहते हैं तो स्वागत है। अगर आप पशुओं के सामूहिक हत्या-पर्व पर मौन साधे रखना चाहते हैं तो यह आपकी मर्ज़ी। पर याद रखें, तब एक वैसा मनुष्य कहलाने का अधिकार आप खो देंगे, जो प्रेम, न्याय, करुणा और समानता में विश्वास रखता हो।

प्रधानमंत्री मोदी के साथ ऑस्ट्रेलियाई पीएम की बैठक

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज भारत की चार दिवसीय यात्रा पर हैं। आज वह राष्ट्रपति भवन पहुंचे। यहां उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इसके बाद पत्रकारों से बातचीत करते हुए अल्बानीज ने भारत की जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने मेरा बहुत अच्छे से स्वागत किया। ऑस्ट्रेलिया और भारत अच्छे दोस्त हैं और पार्टनर भी हैं। हम रोज अपने संबंध को और मजबूत कर रहे हैं। अब हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री मोदी और अल्बानीज के बीच द्विपक्षीय वार्ता चल रही है। इसके पहले पीएम अल्बानीज ने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से भी मुलाकात की।

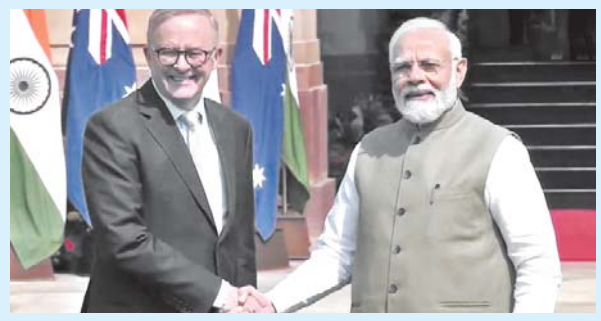

बता दें कि अल्बानीज के साथ दो मंत्री और एक उच्च-स्तरीय व्यापार प्रतिनिधिमंडल भी भारत आया है। एंथनी अल्बानीज आठ से 11 मार्च तक भारत की यात्रा पर हैं। वे बुधवार को ऑस्ट्रेलिया से अहमदाबाद पहुंचे थे। वहीं, गुरुवार को मुंबई में भारत के पहले स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर सवार हुए। इसके बाद गुरुवार शाम दिल्ली पहुंचे।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बानीज हैदराबाद हाउस में बैठक कर रहे हैं। बताया जाता है कि इस दौरान समग्र द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के अलावा निवेश, व्यापार, रक्षा और महत्वपूर्ण खनिज जैसे विषयों पर चर्चा हो रही है। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि दोनों नेताओं के हिंद-प्रशांत में चीन की बढ़ती सैन्य आक्रामकता की स्थिति की समीक्षा करने की भी उम्मीद है।

आर्थिक सर्वेक्षण और बजट 2023-24 पर परिचर्चा

रुखा-सूखा रहता था बजट, हमने आम लोगों को जोड़ा: शिवराज

भोपाल। कुशाभाऊ ठाकरे इंटरनेशनल कन्वेंशन सेंटर में आर्थिक सर्वेक्षण और बजट 2023-24 पर परिचर्चा में सीएम शिवराज सिंह चौहान शामिल हुए। सीएम ने कहा- अक्सर बजट बड़ा रूखा सूखा विषय होता है, जिस पर जनता को लगता है कि हमारा काम ही नहीं। रुचि केवल इतनी रहती है कि हमें क्या मिलेगा। हमारा प्रयास है कि बजट बनाने में जनता का सहयोग मिले। इसलिए पिछले साल से जनता से सुझाव लेने की शुरुआत की। 4 हजार सुझाव मिले उनमें से कई चीजें शुरू करने का प्रयास किया। आर्थिक सर्वेक्षण के कुछ तथ्य आपके सामने रखना चाहता हूं। 2022-23 में तेजी से बढ़ते मप्र की तस्वीर दिखती है।

कृषि, ग्रामीण विकास, स्वास्थ्य शिक्षा, अधोसंरचना, कौशल विकास, सार्वजनिक वित्त जैसे विषयों में मप्र ने अच्छा प्रदर्शन किया है। आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े बताते हैं कि सही दिशा में प्रयास किए जाएं तो कठिनाईओं में आपदा को भी अवसर में बदला जा सकता है। मप्र में कभी 3-4 प्रतिशत से ज्यादा ग्रोथ रेट नहीं बढ़ती थी। 2003 में केवल 71 करोड़ के आसपास सकल घरेलू उत्पाद होता था। लेकिन 2021-22 का सकल घरेलू उत्पाद में 18 गुना वृद्धि हुई है। पर कैपिटल इनकम भी बढ़ी है। फिर भी मैं संतुष्ट नहीं हूं। हमें और आगे जाना है।

सीएम ने कहा हम पर कई बार आरोप लगते हैं ..कर्जा ले लिया, लेकिन ऋण लेने के कुछ मापदंड होते हैं। जीएसडीपी अनुपात 2005 में 39.5प्रतिशत था। लेकिल 2020-21 में घटकर 32 प्रतिशत हो गया। अब लगातार पूंजीगत व्यय कोविड के कठिन दौर में सर्वाधिक पूंजीगत व्यय किया। कोविड की कठिनाईयों के बाद भी राज्य का रेवेन्यू 7.94प्रतिशत की दर से बढ़ा है। हम टॉप 5 राज्यों में शामिल हैं। लगातार हम अपना राजस्व बढ़ा रहे हैं। ये सुखद संयोग हैं। स्ट्रीट वेंडर्स को बिना ब्याज के 10 हजार रुपए मिलते हैं। इस स्ट्रीट वेंडर में हमने 6 लाख वेंडर्स को ऋण देकर उनकी आजीविका बढ़ाने का काम किया गया है।

माधवराव की स्मृति में दौड़ा ग्वालियर

- केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, महाआर्यमन, प्रभारी मंत्री, ऊर्जा मंत्री भी दौड़े

ग्वालियर। कांग्रेस नेता स्व.माधवराव सिंधिया की जयंती के मौके पर आज पूरा शहर दौड़ा। मेला ग्राउंड से मैराथन की शुरूआत हुई, जिसमें पुरुष और महिलाओं के अलग-अलग रूट थे। पुरुषों को मेला ग्राउंड से बिरला नगर पुल, हजीरा, किलागेट होते हुए फूलबाग होते हुए एमएलबी कॉलेज पहुंचे तो महिलाएं एग्रीकल्चर कॉलेज, गाढ़रवाली पुलिया से होते हुए तानसेन नगर, पड़ाव फूलबाग होते हुए एमएलबी कॉलेज के मैदान पहुंची। शहर के लोगों के साथ केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया, उनके बेटे महाआर्यमान सिंधिया, ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर, प्रभारी मंत्री तुलसीराम सिलावट भी दौड़े, जबकि मुख्य अतिथि फिल्म कलाकार महिमा चौधरी कार में रोड शो की तरह निकली। खास बात यह रही कि केन्द्रीय मंत्री सिंधिया ने पूरी मैराथन में दौड़ लगाई। इस दौरान उनकी एनर्जी देखने लायक थी। युवाओं में जोश भरने के लिए ग्वालियर रियासत के मुखिया ज्योतिरादित्य सिंधिया, उनके सुपुत्र महाआर्यमान सिंधिया

भी मैराथन में दौड़े हैं। यह मैराथन मेला ग्राउंड से गोला का मंदिर, हजीरा, किलागेट, फूलबाग, नदीगेट, पुरानी हाईकोर्ट होते हुए एमएलबी कॉलेज पर समाप्त हुई। मैराथन में विजेताओं के लिये आकर्षक इनाम भी रखे गए थे।

महिमा बोली-हमारे शेर हैं सिंधिया- फिल्म अदाकारा महिमा चौधरी ने कहा कि इतनी युवाओं की भीड़ मैराथन में देखकर वह आश्चर्य चकित हैं। पूरे देश से लोग यहां आए हैं। खुद ग्वालियर के लीडर और हमारे शेर सिंधिया इसमें पूरी ऊर्जा से दौड़े हैं।

लालू के करीबियों के 15 ठिकानों पर छापेमारी

दिल्ली में तेजस्वी के घर ईडी पहुंची, 3 बेटियों हेमा, रागिनी और चंदा के घर भी सर्च जारी

नई दिल्ली। लैंड फॉर जॉब स्कैम केस में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शुक्रवार को लालू यादव के करीबियों के दिल्ली, मुंबई, नोएडा और पटना में 15 जगहों पर छापेमारी की है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, पटना में आरजेडी के पूर्व विधायक के अबू दोजाना के घर पर भी ईडी की टीम पहुंची है। यहां भी तलाशी ली जा रही है। पूर्व एमएलए अबू दोजाना लालू के करीबी हैं। पेशे से बिल्डर हैं।

जानकारी है कि लालू यादव की तीन बेटियों के घर भी रेड की गई है। हेमा, रागिनी और चंदा का घर दिल्ली में है, जिनके घर पर ईडी की टीम मौजूद है। सूत्रों की मानें तो बिहार के उप मुख्यमंत्री और लालू यादव के बेटे तेजस्वी यादव के दिल्ली आवास पर भी ईडी की टीम पहुंची है।

अबू दुजाना के घर आय से अधिक संपत्ति मामले में ईडी ने रेड मारी है। सुबह 6 बजे ईडी के 12 अफसर उनके घर पहुंचे। छापेमारी के दौरान अबू दुजाना घर की बालकनी में आए और कहा कि ये कार्रवाई राजनीतिक साजिश है। इस दौरान अधिकारियों ने सभी लोगों को घर के अंदर ही रहने की हिदायत दी। इस मामले में अधिकारी कुछ भी बोलने से बचते नजर आए। दुजाना आरजेडी के पूर्व विधायक हैं। वे सुरसंड से पिछला चुनाव हार गए गए थे।

रोहिणी ने ट्वीट कर बीजेपी पर निशाना साधा

ईडी की कार्रवाई को लेकर लालू यादव की बेटी रोहिणी ने एक के बाद एक दो ट्वीट किए। ट्वीट में उन्होंने लिखा- भाजपा सरकार का हिटलर शाही फरमान है, ईमान बेचने का पैगाम है, मगर झुकने को तैयार नहीं, बिहारी माटी का जो लालू तेजस्वी लाल है..। इससे पहले लिखा- लालू जी और लालू जी का परिवार डरना नहीं लड़ना जानते हैं..।

दिल्ली भूले भाजपा के दिग्गज, अब एमपी को बनाया अपना ठिकाना, सप्ताह में दो बार दे रहे दस्तक

भोपाल। कांग्रेस के तत्कालीन नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया की वजह से साल 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के लिए वरदान साबित हुआ ग्वालियर-चंबल क्षेत्र अब भाजपा के लिए चुनौती बन गया है। सिंधिया की वजह से साल 2018 के विधानसभा चुनाव में ग्वालियर चंबल क्षेत्र की 34 विधानसभा सीटों में से कांग्रेस को 26 सीटें मिली थी, जबकि भाजपा को केवल सात सीटों से ही संतोष करना पड़ा और भाजपा के हाथ से सत्ता चली गई थी।

तत्कालीन कांग्रेस नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया भाजपा में शामिल हो गए हैं तो वे अब इसी क्षेत्र पर सबसे ज्यादा फोकस कर रहे हैं. भाजपा आलाकमान ने सिंधिया को इसी क्षेत्र में बने रहने के निर्देश दिए हैं. नतीजतन केन्द्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य

सिंधिया और केन्द्रीय मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर ने दिल्ली से दूरी बनाकर एमपी को अपना ठिकाना बना लिया है. दोनों ही नेता सप्ताह में दो बार एमपी में दस्तक दे रहे है।

आठ जिले, 34 विधानसभा सीटें

ग्वालियर चंबल क्षेत्र के आठ जिलों में 34 विधानसभा सीटों में है. इनमें सात सीटें अनुसूचित जाति वर्ग के लिए आरक्षित है। जबकि अन्य सीटों पर भी अनुसूचित जाति वर्ग के मतदाता सीधे प्रभाव डालते हैं। साल 2018 के विधानसभा में इन सीटों पर कांग्रेस ने भारी प्रभाव दिखाया गया था. 34 सीटों में से कांग्रेस के खाते में 26 सीटें आ गई थी, नतीजतन 15 साल से मप्र की सत्ता में जमी जकड़ी भाजपा को सत्ता से बाहर होना पड़ा था. कांग्रेस को यह सत्ता ग्वालियर चंबल क्षेत्र की वजह से ही मिली थी, इसमें कांग्रेस के तत्कालीन नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया का अहम रोल था। हालांकि बाद में ज्योतिरादित्य सिंधिया की वजह से कांग्रेस को सत्ता का सुख महज डेढ़ साल ही मिला और उसे सत्ता से बाहर होना पड़ा था।

आईपीएस राजेश चावला बने संचालक लोक अभियोजन

भोपाल। राज्य शासन के गृह विभाग ने भारतीय पुलिस सेवा के 1989 बैच के अधिकारी राजेश चावला को प्रदेश का नया संचालक लोक अभियोजन पदस्थ किया है। इस आशय के आदेश आज राज्य शासन द्वारा जारी किए गए हैं।

तेलंगाना सीएम की बेटी की दिल्ली में भूख हड़ताल

नई दिल्ली। तेलंगाना के सीएम केसीआर की बेटी के कविता आज दिल्ली के जंतर-मंतर पर महिला आरक्षण बिल की मांग को लेकर एक दिन की भूख हड़ताल कर रही हैं। वे संसद के बजट सत्र में महिला आरक्षण बिल लाने की मांग कर रही हैं। उनके साथ आप, अकाली दल, पीडीपी, टीएमसी, जदयू, माकपा, भाकपा, एनसीपी, समाजवादी पार्टी समेत 17 विपक्षी दलों के नेता भी मौजूद हैं। उन्होंने कहा- महिला आरक्षण बिल जरूरी है और इसे जल्दी से लाने की जरूरत है। मैं आपसे वादा करती हूं कि जब तक ये बिल नहीं आएगा तब तक ये प्रदर्शन नहीं रुकेगा।

एच3 एन2 इन्फ्लुएंजा से देश में 2 मौतें

कोविड की तरह फैल रहा है यह संक्रमण, अब तक 90 केस

नई दिल्ली। देश में कोविड की तरह फैल रहे एच3एन2 इन्फ्लूएंजा से पहली बार मौतों की खबर सामने आई है। मीडिया रिपोर्ट्स में हेल्थ मिनिस्ट्री के सूत्रों के हवाले से दावा किया गया है कि हरियाणा और कर्नाटक में एन्फ्लुएंजा के मरीजों की मौत हुई है। देश में अभी तक एच3एन2 के 90 केस सामने आए हैं।

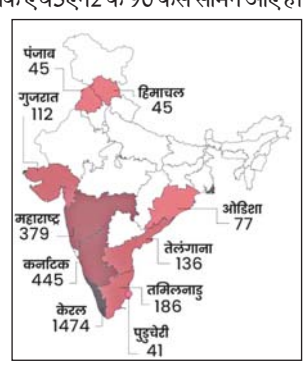

पिछले दो महीने से राजधानी दिल्ली समेत भारत के कई हिस्सों में इन्फ्लूएंजा के मामले बढ़ रहे हैं। कोरोना महामारी के बाद फ्लू के बढ़ते मामलों से लोगों में डर है, क्योंकि इससे जूझ रहे मरीजों में कोरोना जैसे ही लक्षण देखने को मिल रहे हैं। बीते कुछ दिनों में दिल्ली और आसपास के इलाकों से कई ऐसे मरीज अस्पताल पहुंचे हैं, जो 10-12 दिनों से तेज बुखार के साथ खांसी से परेशान हैं। एम्स के पूर्व निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने देश में फैल रहे एच3एन2 इन्फ्लूएंजा से लोगों को सावधान रहने की अपील की है। उन्होंने कहा कि यह कोरोना के जैसी ही फैलता है। इससे बचने के लिए मास्क पहनें, सोशल डिस्टेंसिंग का पालन करें और बार-बार हाथ धोते रहें। बुजुर्गों और पहले से ही किसी बीमारी से परेशान लोगों को इससे ज्यादा परेशानी हो सकती है।

प्रदेश में कोई भी भूखा-प्यासा एवं बगैर घर का नहीं रहेगा: गोविंद सिंह राजपूत

करोड़ों के विकास कार्यों का किया भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टीलाबुजुर्ग, करैयाहजारी, हरवंशपुरा, मानकचौक, पीपरा पहुंची विकास यात्रा

सागर। सोमवार को सुरखी विधानसभा क्षेत्र के ग्राम टीलाबुजुर्ग, करैयाहजारी, हरवंशपुरा, मानकचौक, पीपरा पहुंची विकास यात्रा जहां राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने लाखों के विकास कार्यों का भूमिपूजन एवं लोकार्पण करते हुये क्षेत्रवासियों को बड़ी सौगात दी तथा लाड़ली लक्ष्मी योजना, संबल कार्ड, आयुष्मान कार्ड वितरित किये। इस अवसर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने क्षेत्रवासियों को संबोधित करते हुये कहा कि मध्यप्रदेश में कोई भी व्यक्ति भूखा, प्यासा एवं बगैर घर का नहीं रहेगा। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान द्वारा अनेक लोक हितकारी योजनाओं के माध्यम से लाभान्वित करने का कार्य किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के निवासियों के लिए हर घर में शुद्ध पेयजल उपलब्ध हो इसके लिए नल जल योजना केंद्र सरकार ने प्रारंभ की है और आने वाले 2024 तक हमारी माताएं बहनों को घर के बाहर पानी लेने नहीं जाना होगा उनको घर पर ही शुद्ध टोटी के माध्यम से पानी उपलब्ध होगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा समस्त पात्र व्यक्तियों के लिए निशुल्क राशन उपलब्ध कराया जा रहा है इसी प्रकार प्रधानमंत्री मोदी एवं मुख्यमंत्री चौहान द्वारा प्रधानमंत्री आवास एवं मुख्यमंत्री आवास योजना के तहत प्रत्येक पात्र व्यक्तियों को मकान उपलब्ध कराये जा रहे हैं। राजपूत ने कहा कि प्रदेश में बेटियों के सुरक्षित भविष्य के निर्माण के लिए जहां लाड़ली लक्ष्मी योजना संचालित हो रही है तो वहीं अब हमारी बहनों के सशक्तिकरण के लिए लाडली बहना योजना संचालित की जाएगी

जिसमें प्रतिमाह 1 हजार रूपये बहनों के खातों में पहुंचेगे इस प्रकार वर्ष में 12 हजार रूपये बहनों के खातों में भाजपा की सरकार पहुंचायेगी। गरीब, निम्न मध्यमवर्गीय परिवार की प्रत्येक बहन को योजना का लाभ मिलेगा। राजपूत ने कहा कि हमारा संकल्प है कि कोई भी पात्र व्यक्ति योजनाओं के लाभ से वंचित ना रहे सभी पात्रों को लाभान्वित किया जाएगा उन्होंने कहा कि अब हम प्रगतिशील और विकसित मध्यप्रदेश का निर्माण कर रहे हैं सभी गरीबों के सर पर पक्का छत, आयुष्मान योजना के तहत निशुल्क इलाज, सौभाग्य योजना के तहत लाइट, मुख्यमंत्री भू अधिकार योजना के तहत भूमिहीन परिवारों को आवास पट्टे, कठिन समय में आर्थिक सहायता के लिए संबल योजना जैसे अनेक योजनाएं प्रभावी ढंग से धरातल पर संचालित हो रही है श्री राजपूत ने आग्रह कर कहा कि अगर कोई भी पात्र हितग्राही योजनाओं के लाभ से वंचित रहा है तो उसकी जानकारी स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं अधिकारी कर्मचारियों को दी जाए ताकि उन्हें शीघ्र योजना से लाभान्वित किया जा सके।

सुरखी में के हर गांव में शहरों जैसी मिल रहीं सुविधायें: राजपूत ने कहा कि सुरखी विधानसभा क्षेत्र में चारों तरफ विकास कार्य किये जा रहे है हर गांव में पक्की सड़क अस्पताल, स्कूल जैसी मूलभूत सुविधायें तो है हीं इसके अलावा विधानसभा क्षेत्र के गांव गांव में पाईप लाईन से पानी पहुंचाया जा रहा है हर घर के सामने टोंटी लगाकर पानी की व्यवस्था की जा रही है। शहरों जैसी सुविधा हमारे सुरखी विधानसभा क्षेत्र के हर गांव तक पहुंचाई जा रही है क्षेत्र में हर व्यक्ति के लिये शासकीय योजनाओं से जोड़ने का काम किया जा चुका है हर व्यक्ति शासन की योजनाओं से जुड़कर निःशुल्क खाद्यान, लाड़ली लक्ष्मी योजना, आयुष्मान कार्ड, प्रधानमंत्री आवास जैसी कई योजनाओं से कहीं ना कहीं पात्रता के आधार पर जोड़ा गया है। इस अवसर पर राजस्व एवं परिवहन मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने नए मतदाताओं का स्वागत किया । इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष कमल पटेल, राकेश दुबे, भगवत शरण सिंह राजपूत, अनिल पीपरा, तेज सिंह, रतन आदिवासी, देवेंद्र सिंह, रामकुमार यादव, धर्मेंद्र आदिवासी, चंद्र सिंह ठाकुर, राहुल, रामप्रसाद ठाकुर, जय रामनारायण यादव, बालकृष्ण यादव, छोटू यादव, भगवानदास, संदीप चौरसिया, जग्गू सिंग सहित शासकीय विभाग के अधिकारी कर्मचारी एवं ग्रामीण जन उपस्थित रहे।

त्यौहारों पर महिलाओं से अभद्रता करने वालों पर करें कठोर कार्रवाई: डीजीपी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

होली, रंगपंचमी और शब-ए-बारात त्यौहारों पर शांति एवं कानून व्यवस्था बहाल रहे और सौहार्द बना रहे, इसके दृष्टिगत पुलिस महानिदेशक सुधीर कुमार सक्सेना ने सोमवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पुलिस विभाग के आला अधिकारियों की बैठक ली। बैठक में समस्त समस्त एडीजी/आईजी, रेंज डीआईजी एवं समस्त पुलिस अधीक्षक शामिल हुए । वहीं इस बैठक में एडीजी (इंटेलिजेंस) आदर्श कटियार और आईजी लॉ एंड ऑर्डर संजय तिवारी उपस्थित रहे।

सौहार्द के साथ मनाए जाएं सभी त्यौहार: डीजीपी सक्सेना ने कहा कि 6, 7 एवं 8 मार्च को प्रदेश भर में आयोजित होने वाले त्यौहारों के दौरान शांति एवं कानून व्यवस्था बनाने के लिए हमें तैयार रहना है। त्यौहारों में नागरिक उत्साहपूर्वक सम्मिलित हो रहे हैं, जिसके दृष्टिगत पुलिस की व्यवस्थाएं चाक-चौबंद हों, यह सुनिश्चित किया जाए। इस बार होली और रंगपंचमी के दौरान शब-ए-बारात का आयोजन भी हो रहा है, इस बात का हमें विशेष ध्यान रखना होगा कि सांप्रदायिक सौहार्द बना रहे। उन्होंने कहा कि आवश्यकतानुसार समस्त जिलों को अतिरिक्त बल उपलब्ध करा दिया गया है। पुलिस अधीक्षक पूरे बल की गहन समीक्षा कर सभी संवेदनशील तथा उपयुक्त स्थल पर पर्याप्त तैनाती सुनिश्चित करें। ग्राम/नगर रक्षा समिति तथा ग्राम कोटवारों का भी सहयोग लें। उन्होंने कहा कि जिला एवं थाना स्तर के अलावा आवश्यकतानुसार बीट्स, मोहल्ला पर भी शांति समिति की बैठक आयोजित करें। बीट स्तर की इंटेलीजेंस को अत्यधिक सक्रिय रखें। एडीजी (इंटेलिजेंस) आदर्श कटियार ने कहा कि सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने में हमें अथक प्रयास करने होंगे।

महिला सुरक्षा के प्रति रहें सजग: डीजीपी सक्सेना ने कहा कि त्यौहारों के दौरान इस बात का विशेष ध्यान रखा जाए कि महिलाओं के साथ कोई अभद्रता की घटना ना हो। महिलाओं के साथ छेड़खानी करने वालों के विरुद्ध कठोर कानूनी कार्रवाई की जाए। धार्मिक स्थलों के आसपास एवं वहां से गुजरने वाले जुलूसों पर विशेष निगरानी रखी जाए।

अवैध शराब कारोबारियों और असामाजिक तत्वों पर रखें विशेष नजर: वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के दौरान डीजीपी सक्सेना ने बल देते हुए कहा कि होली और रंगपंचमी पर होने वाली असामाजिक गतिविधियों को रोकने के लिए तैनात रहें। विशेष तौर पर अवैध शराब कारोबारियों पर कार्रवाई की जाए। लाइसेंसी शराब दुकानें शासन के निर्धारित समय पर खुलें एवं बंद हों, यह अनिवार्य रूप से सुनिश्चित करें। वहीं डीजे पर आपत्तिजनक गाने ना बजाए जाएं, इसके लिए डीजे संचालकों को निर्देशित करें। असामाजिक तत्वों पर निगरानी रखें और उन पर प्रतिबंधात्मक कार्रवाई की जाए।

सुरक्षा के दृष्टिगत अन्य विभागों से करें समन्वय: डीजीपी सक्सेना ने अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि होलिक दहन पर आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए विशेष व्यवस्था की जाए। नागरिकों को भी समझाइश दें कि बिजली के खंभों, तारों या किसी अन्य ज्वलनशील पदार्थों के आसपास होलिका दहन ना करें। पंचायतों, नगरीय निकायों, स्वास्थ्य विभाग से भी समन्वय करें और फायरब्रिगेड एवं आवश्यक स्वास्थ्य सेवाओं की व्यवस्था सुनिश्चित करें।

शाखा प्रबंधक ऋण वितरण, अमानत संग्रहण के साथ वसूली का लक्ष्य भी पूर्ण करें : तिवारी

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

अपेक्स बैंक मुख्यालय टीटीनगर स्थित सुभाष यादव समन्वय भवन में आज प्रातः 11.00 बजे समस्त मध्यप्रदेश के 24 संभागीय एवं अमानत शाखा प्रबंधकों की बैठक को सम्बोधित करते हुए बैंक के प्रबंध संचालक पी.एस.तिवारी ने कहा कि प्रतिस्पर्धा के इस दौर में सभी को अपने कार्य को पूर्ण लगन और ईमानदारी से करते हुए आपकी शाखा को प्रदत्त निर्धारित लक्ष्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करना अनिवार्य है। आप सभी का यह दायित्व है कि आप अपने स्टाफ के सहयोग से आपकी शाखा को आबंटित ऋण वितरण, अमानत संग्रहण के साथ वसूली के लक्ष्य भी समय पर अर्जित करते हुए प्रदेश के सहकारी साख आंदोलन की प्रगति में सकारात्मक योगदान प्रदान करें। बैठक में 5 वर्ष से अधिक एवं कम के अकृषि ऋणों की वसूली, एनपीए प्रकरणों के साथ विभिन्न न्यायालयों में धारा 84 क/64, धारा 85 एवं क्रिस अन्तर्गत दायर प्रकरणों के साथ सीबीएस बैंकिंग एवं अन्य व्यवहारिक कठिनाईयों के प्रकरणों की भी समीक्षा की गई। बैठक में बैंक के वरिष्ठ अधिकारीगण अरुणा दुबे, के.के.द्विवेदी, आर0एस0चंदेल, अरविंद बौद्ध, विवेक मलिक, अरविंद वर्मा, करुण यादव के साथ प्रदेश भर से आए शाखा प्रबंधक, वरिष्ठ अधिकारीगण व कर्मचारीगण उपस्थित हुए। उल्लेखनीय है कि अपेक्स बैंक प्रदेश में कार्यरत भारत शासन एवं राज्य शासन के समस्त अधिकारीगण एवं कर्मचारीगण को मात्र 8 प्रतिशत ब्याज दर पर आवास व अन्य ऋण प्रदान कर रहा है ।

मुख्यमंत्री चौहान से कर्नाटक के राज्यपाल ने सौजन्य भेंट की

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान से कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने निवास पर सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री चौहान ने राज्यपाल गहलोत का पुष्पगुच्छ और शाल भेंट कर स्वागत किया।

लजीज व्यंजनों का स्वाद अब मोतिया तालाब पर भी

भोपाल। जम जम फास्ट फूड का स्वाद भोपाल के लोगों को खूब भा रहा है इसी को देखते हुए जन्मदिन के लजीज व्यंजनों तक लोगों की पहचान आसान बनाने के लिए अब जमजम की तीसरी ब्रांच मोतिया तालाब पर खोली जा रही ह फास्ट फूड के साथ रूफटॉप रेस्टो की शुरुआत की जाएगी जनरल फूड कॉर्नर भोपाल में आसपास के क्षेत्रों के खाने के शौकीनों के लिए फूड कॉर्नर बन चुका है लंबे समय से मोतिया तालाब रोड पर ग्राहकों की मांग की कि इस क्षेत्र में लगी व्यंजनों के लिए जमीन फास्ट फूड की दुकान खोली जाए जमजम के भजनों का स्वाद का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि खाने के शौकीन लोग अपने परिवार से भोपाल में जन्म की बिरयानी खाने प्रदेश के अलग-अलग शहरों से आते हैं जम जम वेज खाने के शौकीनों के लिए वेज बिरयानी एवं फ्राइड राइस उपलब्ध रहते हैं स्वीट्स के शौकीनों के लिए जम जम रेस्टोरेंट में स्पेशल खीर उपलब्ध है।

ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग एम्स ने अपना स्थापना दिवस मनाया

भोपाल। कल्पना किजिए कि एक ऐसी दुनिया हो जहां प्रत्यारोपण (ट्रांसप्लांट) के लिए मरीजों को उपयुक्त दाता (परफेक्ट डोनर) के लिए वर्षों तक प्रतीक्षा नहीं करनी पड़े, जहां सीमित संसाधनों में भी मिनटों में बीमारी का पता लगाया जा सके, जहां मरीज के शारीरिक तरल पदार्थों की प्रोफाइलिंग के बाद कैंसर का इलाज किया जा सके। चिकित्सा विज्ञान में प्रगति के साथ, अपूर्ण नैदानिक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पूर्णरूप से सटीक चिकित्सा आधारित जैव चिकित्सा समाधान विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण बदलाव आया है। इन्हीं उद्देश्यों के साथ, मार्च 2021 में ट्रांसलेशनल मेडिसिन विभाग की स्थापना की गई थी और विभाग द्वारा 6 मार्च 2023 को अपना स्थापना दिवस मनाया गया। इस दौरान विभाग की स्थापना के बाद से अब तक विभाग की विकास यात्रा पर प्रकाश डालने वाला एक संक्षिप्त वीडियो दिखाया गया तथा डॉ. देबासिस बिस्वास, डीन (अनुसंधान) और प्रो. राजेश मलिक, डीन (अकादमिक) द्वारा विभाग के बाह्य अनुसंधान अनुदानों और अनुसंधान प्रकाशनों के रूप में किए गए कार्यों की प्रो सराहना की गई ।

ई-विवेचना एप से बढ़ी मप्र पुलिस की तकनीकी दक्षता: एडीजी शेखर

सुशासन प्रथाओं पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भारत सरकार के प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग (डीएआरपीजी) द्वारा मध्य प्रदेश सरकार के सहयोग से भोपाल में 6-7 मार्च, 2023 को सुशासन प्रथाओं पर दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन का आयोजन किया जा रहा है। कुशाभाऊ ठाकरे अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन सेंटर में आयोजित किए जा रहे इस कार्यक्रम में पूरे देश के लगभग 200 प्रतिनिधि हिस्सा ले रहे हैं। सोमवार को प्रथम दिवस के तीसरे सत्र में मध्य प्रदेश पुलिस विभाग के स्टेट क्राइम रिकॉर्ड ब्यूरो (एससीआरबी) के एडीजी चंचल शेखर ने 'ई-विवेचना ऐप' पर प्रेजेन्टेशन दिया। एडीजी शेखर ने बताया कि सीसीटीएनएस के माध्यम से थानों का कार्य डिजिटल हुआ है। स्मार्ट (सेंसिटिव, मोबाइल, अलर्ट, रिलायबल और टेक सेवी) पुलिसिंग की अवधारणा को लागू करने के लिए मध्य प्रदेश पुलिस द्वारा मैदानी स्तर पर पुलिसकर्मियों को डिजिटल टूल के रूप में ई-विवेचना ऐप विकसित कर उपलब्ध कराया गया है। जमीनी स्तर पर डिजिटल पहल विषय पर आयोजित इस सत्र की अध्यक्षता मध्य प्रदेश शासन में विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख सचिव निकुंज श्रीवास्तव ने की। एडीजी चंचल शेखर ने बताया कि ई-विवेचना ऐप के उपयोग से मध्य प्रदेश पुलिस की तकनीकी दक्षता बढ़ी है। विवेचक टैबलेट की सहायता से मौके पर ही वास्तविक समय में विवेचना कर सकते हैं, जिससे पारदर्शिता एवं गुणवत्ता आई है। इ उन्होंने बताया कि इस तकनीक को मध्य प्रदेश के अलावा अन्य राज्यों की पुलिस ने भी सराहा है और इस तरह की तकनीक पर कार्य करने की इच्छा भी जताई है। भारत सरकार ने भी इस डिजिटल नागरिक सुविधा की प्रशंसा की है। यह सम्मेलन केंद्र, राज्य और जिला स्तर पर विभिन्न प्रशासनिक सुधारों के माध्यम से सरकार और नागरिकों को समीप लाने की एक कोशिश है। इसमें अधिकतम शासन, न्यूनतम सरकार के नीतिगत उद्देश्य के साथ अगली पीढ़ी के सुधारों और नवाचारों को आगे बढ़ाने वाली डिजिटल प्रौद्योगिकियों को शामिल किया गया है, जिसमें री-इंजीनियरिंग की सरकारी प्रक्रिया, ई-सेवाओं तक सार्वभौमिक पहुंच, जिला स्तर पर डिजिटल पहलों में उत्कृष्टता और उभरती प्रौद्योगिकियों को अपनाने और आईसीटी प्रबंधन के उपयोग में उत्कृष्टता शामिल है। इस कार्यक्रम में कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन राज्य मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह और मध्य प्रदेश के विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्री ओम प्रकाश सकलेचा दो दिवसीय क्षेत्रीय सम्मेलन में शामिल हुए।

एनएचएम कार्यालय के मुख्य गेट पर संविदा फार्मासिस्ट एवं स्टाफ नर्स के अभ्यर्थियों का प्रदर्शन, जड़ा ताला

भोपाल। एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजवीर त्यागी ने बताया कि राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मध्य प्रदेश लोक स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग मध्य प्रदेश शासन के अंतर्गत संविदा फार्मासिस्ट 611 एवं संविदा स्टाफ नर्स के 611 रिक्त पदों पर भर्ती हेतु आवेदन पत्र आमंत्रित किए गए थे इसकी परीक्षा 3 व 4 अगस्त 2022 को परीक्षार्थियों द्वारा परीक्षा दी गई थी जिसमें मध्य प्रदेश के लगभग 15000 से भी ज्यादा परीक्षार्थियों ने भाग लिया था जिसका परीक्षा परिणाम आज दिनांक तक एनएचएम द्वारा घोषित नहीं किया गया है जिस से दुखी एवं परेशान होकर एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के प्रदेश मीडिया प्रभारी राजवीर त्यागी के नेतृत्व में आज मध्य प्रदेश के 53 जिलों से प्रतिनिधियों ने एनएचएम के मुख्य द्वार पर परीक्षा परिणाम घोषित करने की मांग को लेकर एनएचएम कार्यालय के मुख्य द्वार पर जोरदार धरना प्रदर्शन किया। राजवीर त्यागी ने बताया कि 3 एवं 4 अगस्त को परीक्षा हो जाने के इतने महीनों बाद परिणाम घोषित नहीं करना भ्रष्टाचार की तरफ इशारा करता। जिसमें प्रदर्शनकारियों का एक प्रतिनिधि मंडल एनएचएम के वरिष्ठ अधिकारी केके रावत (प्रभारी संचालक ह्।रू) से मिला जिन्होंने पूरी समस्याएं सुनी एवं सभी मांगों को सरकार तक पहुंचाने का आश्वासन दिया है। इस आंदोलन में मुख्य रूप से एमपी फार्मासिस्ट एसोसिएशन के जिलाध्यक्ष गगन शर्मा, सुनीता दांगी, प्रियंका,सोनी,रवि, मनोज परमार, जितेंद्र चौहान,नरेंद्र शाक्य राहुल जाट, गायत्री, साधन, विकास इत्यादि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

महिलाएं समाज की वास्तविक वास्तुकार होती हैं: योग गुरु महेश अग्रवाल

भोपाल। आदर्श योग आध्यात्मिक केंद्र स्वर्ण जयंती पार्क कोलार रोड़ भोपाल के संचालक योग गुरु महेश अग्रवाल ने बताया कि 8 मार्च को पूरी दुनिया में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है, इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की थीम तय की गई है- डिजिटऑल लैंगिक समानता के लिए नवाचार और प्रौद्योगिकी। योग गुरु अग्रवाल ने बताया कि योग के इतिहास के प्रारम्भ से ही स्त्रियों की प्रमुख भूमिका रही है, उनमें से अनेक तो सन्त और गुरु भी हुई हैं। शिव को

तन्त्र एवं योग का अधिष्ठाता एवं गुरु भी माना जाता है। क्या आप जानते हैं, उनके प्रथम शिष्य कौन थे? पार्वती, उनकी प्रतिरूप पत्नी या शक्ति। यदि आप तन्त्र की पुस्तकें पढ़ें तो पायेंगे कि उनका आरम्भ %पार्वती ने पूछा% से ही होता है। इस प्रकार तन्त्र और योग का ज्ञान सर्वप्रथम एक स्त्री को ही प्रदान किया गया। योग की संस्कृति में जब किसी सम्बन्ध का उल्लेख किया जाता है तो पहले स्त्री का नाम लिया जाता है। हम राम-सीता नहीं, बल्कि सीता-राम, या कृष्ण-राधा नहीं, बल्कि राधा-कृष्ण या शंकर-गौरी नहीं, बल्कि गौरी-शंकर कहते हैं।

एयरपोर्ट पर स्वास्थ्य सुविधाओं में होगा विस्तार

भोपाल। हवाई अड्डा सलाहकार समिति की बैठक एयरपोर्ट के सभागार में आयोजित की गई। सांसद साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर की अध्यक्षता में हुई बैठक में जिला प्रशासन और एयरपोर्ट के अधिकारियों के साथ समिति के सदस्य मौजूद रहे। बैठक के दौरान माननीय सांसद साध्वी जी मैं अर्थराइटिस और टीवी मरीजों की सहूलियत को देखते हुए व्हीलचेयर की जगह केबिन चेयर की व्यवस्था करने के निर्देश दिए इसके लिए उन्होंने सार्वजनिक रूप से 10 लाख रुपए सांसद निधि से दिए जाने की भी घोषणा की। बैठक की शुरुआत में माननीय सांसद ने दीप प्रज्वलित किया इस दौरान एयरपोर्ट डायरेक्टर ने माननीय सांसद का शॉल श्रीफल देकर स्वागत किया इसके बाद माननीय सांसद ने भी निर्देशक और सभागार में उपस्थित सभी अधिकारियों

और समिति के सदस्यों को माला पहनाकर उनका स्वागत किया

यात्री सुविधाओं से संबंधित, यातायात एवं टैक्सी सुविधा, व्हीकल ट्रैफिक नियंत्रण, भोपाल से एयर कनेक्टिविट, हाईवे से विमानतल की ओर आने वाली सड़क के चौड़ीकरण, विमानतल के समन्वय, विस्तार और प्रचार-प्रसार के संबंध में चर्चा की।

यूनियन कार्बाइड के जहर से महिलाओं में आंतरिक विकृतियां और अनियमितताएं बढ़ीं

भोपाल। संभावना ट्रस्ट केकी मेडिकल सदस्य द्वद्वह्य पीड़ितों के लिए हमेशा उपचर्रत रहा है । आज महिला दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया गया जिसमें सामुदायिक स्वास्थ्य कार्य संगीता चौरसिया के अनुसार, जनवरी 2006 से दिसंबर 2022 संभावना ट्रस्ट क्लीनिक में इलाज प्राप्त करने वाली 17,368 महिलाओं के चिकित्सीय आँकड़ों के विश्लेषण से पता चलता है कि दिसम्बर 1984 में यूनियन के जहरीली गैस और यूनियन के जहरीमी कचरे से प्रदूषित भूजल से पीड़ित महिलाओं में स्त्री रोग संबंधी रोगों का प्रसार बहुत अधिक था। जहर पीडित महिलाओं में संक्रामक स्त्री रोग संबंधी विकृति, मासिक धर्म की अनियमितता वाझपन और पीसीओएस की बीमारी से पोड़ित महिलाओं की तुलना में 3 से 6 गुना अधिक था। अनुदान आधारित स्वास्थ्य सर्वेक्षण करने वाली फरहत जहा ने कहा, हमने यूनियन कार्बाइड कारखाने के 2 किलोमीटर के दायरे रहने वाली 2529 महिलाओं की आबादी में सन 2013 और 2022 के बीच 12 महिलाओं को कैंसर से पीड़ित पाया। इसकी पाया कि इस अवधि में कारखाने से 8 किमी दूर रहने वाली 2855 महिलाओं, जो जहरपीड़ित नहीं भी की केवल 2 महिलाओं को कैंसर हुआ।

संपादकीय

सीमाओं पर खतरा

अमेरिका की इंटेलिजेंस कम्युनिटी ने बाहरी खतरों का आकलन करने वाली अपनी सालाना रिपोर्ट में चीन, भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ने की आशंका जाहिर की है, वह काफी गंभीर है और सभी पक्षों के ध्यान देने लायक है। हालांकि भारत और पाकिस्तान की बात करें तो दोनों देशों ने 2021 में ही नियंत्रण रेखा पर सीजफायर जारी रखने का समझौता रीन्यू किया है। लेकिन इसके बावजूद, दोनों देशों के बीच कश्मीर और आतंकवाद जैसे मसलों को लेकर तनाव लगातार बना हुआ है।

पाकिस्तान भले ही आंतरिक समस्याओं से जूझ रहा है, लेकिन ऐसे हालात में तो वह और उस जैसे देश सामान्य तौर पर समझौतों का उल्लंघन करते हैं। आतंकवादी घटनाओं में वृद्धि भी इन हालात में अधिक होती है। ताजा मामले की बात करें तो अमेरिकी कांग्रेस में बुधवार को जो रिपोर्ट पेश की गई, उसमें खास बात यह रही कि नरेंद्र मोदी की अगुआई वाली सरकार के दौरान कोई वास्तविक खतरा होने पर या खतरे का आभास होने पर भी भारत की ओर से सैन्य कार्रवाई की संभावना पहले की सरकारों के मुकाबले ज्यादा बताई गई है। यह शायद पहली बार है, जब प्रधानमंत्री का इसमें उल्लेख किया गया। अमेरिकी इंटेलिजेंस कम्युनिटी की अगर भारत की मौजूदा सरकार को लेकर यह राय बनी है तो इसके पीछे जहां भारत अमेरिका के गहरे होते संबंध हो सकते हैं, वहीं रूस और यूक्रेन युद्ध में भारत का रूस के प्रति अधिक झुकाव न होना भी माना जा रहा है।

वैसे तो देश में कोई भी सरकार रहे, या रही हो, सीमाओं को लेकर चौकस रही हैं, घुसपैठ की कुछ घटनाओं के चलते एक बार पाक आतंकवादियों ने भारत के कुछ हिस्से पर अतिक्रमण जरूर कर लिया था, जो हमने वापस छुड़ा लिया। अब सेना पूरी तरह चौकस है। फिर भी, इससे उभरती इस सचाई को भी नकारा नहीं जा सकता कि भारत की सरहदों पर शांति कायम रहने की संभावना कम होने की जो बात इस रिपोर्ट में कही गई है, वह निराधार नहीं है। असल में शिमला समझौते की भावनाओं के अनुरूप कश्मीर को द्विपक्षीय मसला मान आपसी बातचीत से इसे सुलझाने की राह हमेशा खुली हुई है, लेकिन इसके बावजूद पाकिस्तान जब भी मौका पाता है अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मसले को उछालने से बाज नहीं आता। इसके अलावा भारत में आतंकवादी घटनाओं को अंजाम देने वाले संगठनों और उनसे जुड़े लोगों पर लगाम कसने में पाकिस्तान सरकार की नाकामी भारत के साथ रिश्ते सुधारने की राह में एक बड़ी बाधा बनी हुई है।

जहां तक चीन का सवाल है तो सीमा पर विवाद बने रहते हुए भी भारत के साथ उसके रिश्ते लंबे समय तक न केवल शांतिपूर्ण रहे बल्कि दोनों देशों में सहयोग और सामंजस्य भी बना रहा। 1962 में हुए युद्ध के बाद 1967 और फिर 1975 में हुई एक-एक हिंसक झड़प को छोड़ दें तो उसके बाद पूरे पांच दशकों तक सीमा पर हिंसा की नौबत नहीं आई। 1987 में तवांग और 2017 में डोकलाम में गतिरोध बना भी तो बातचीत से मसला सुलझा लिया गया। इस बीच दोनों देशों के बीच आपसी व्यापार ने भी नई ऊंचाई छुई। लेकिन 2020 में गलवान घाटी के बाद 2022 में तवांग में भी हिंसक झड़प हुई। बहरहाल, दोनों देशों के बीच बातचीत जारी है और अगर वे अपने ही अनुभव से सबक लेकर उपयुक्त कदम उठाएं तो सीमा संबंधी मतभेदों के बावजूद शांति और सौहार्द की राह ढूंढना नामुमकिन नहीं। पाकिस्तान के आतंकवाद से तौबा करने की संभावना जरूर थोड़ी ज्यादा जटिलता लिए हुए है, लेकिन आतंकवाद सिर्फ भारत का नहीं, वैश्विक मसला है। पाकिस्तान इस बात को जितनी जल्दी समझ ले, उतना बेहतर।

अमेरिका की इस रिपोर्ट से एक बात तो तय है कि हमारी सीमाएं सुरक्षित नहीं हैं और चीन-पाकिस्तान हमारी अंदरूनी परिस्थितियों का लाभ उठाते हुए अतिक्रमण या अपरोक्ष हमला कर सकते हैं। चीन वैसे भी सीमाओं के आसपास ऐसे हालात पैदा करने का प्रयास कर रहा है, जिससे तनाव बढ़े। उसकी हरकत आज की नहीं है, सालों से चली आ रही है। इसलिए चीन से न केवल ज्यादा सावधान रहने की आवश्यकता है, अपितु पाकिस्तान की सीमाओं पर भी चौकसी अधिक रखने ही जरूरत है। और, जो अमेरिका हमें सावधान कर रहा है, हमारी सरकार की बड़ाई कर रहा है, वो कितना मौकापरस्त है, यह बताने की जरूरत नहीं है। इसलिए किसी पर भी आंखें मूंद कर विश्वास करने के बजाय, अपनी सुरक्षा पर विशेष ध्यान देना समय की मांग है। हमें हमारी सेनाओं पर पूरा विश्वास है, वो हैं, हमारी सीमाएं और हम सुरक्षित हैं।

दोनों दलों के दिल में बसे हैं माधवराव

यह मध्यप्रदेश की राजनीति का उलटफेर है कि स्वर्गीय माधवराव सिंधिया की जयंती भाजपा और कांग्रेस दोनों ही उत्साहपूर्वक मना रही हैं। अब माधवराव सिंधिया की तस्वीर भाजपा कार्यालय में भी है तो कांग्रेस भी उनका आदर और मान लगातार बनाए है। हालांकि 20 मार्च 2020 से पहले भाजपा कार्यालय में राजमाता को सम्मान मिलता था तो कांग्रेस उनके पुत्र माधवराव के पार्टी के प्रति योगदान को याद करती थी। पर 20 मार्च 2020 के बाद जब ज्योतिरादित्य सिंधिया और उनके समर्थकों के सहयोग से कांग्रेस सरकार गिरी और 23 मार्च 2020 को शिवराज सिंह चौहान भाजपा सरकार में चौथी बार मुख्यमंत्री बने, तब से अब राजमाता के साथ उनके पुत्र माधवराव सिंधिया की जयंती भाजपा कार्यालय में भी उतने ही सम्मान से मनाई जाती है। तो कांग्रेस भी स्वर्गीय माधवराव सिंधिया के पार्टी के प्रति योगदान को उतनी ही शिद्दत से याद करती है।

माधवराव सिंधिया का जन्म 10 मार्च 1945 को मुंबई में हुआ था। वे भारतीय राजनीतिज्ञ थे और भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में मंत्री रहे थे। 1961 में अपने पिता जीवाजी राव की मृत्यु के बाद वह ग्वालियर के अंतिम महाराज बने। 1971 में भारत के संविधान में 26 वें संशोधन के बाद भारत सरकार ने रियासतों के सभी आधिकारिक प्रतीकों को समाप्त कर दिया, जिसमें शीर्षक, विशेषाधिकार और पारिश्रमिक शामिल थे।राजशाही का अंत होने के बाद माधव राव सिंधिया ने गुना से चुनाव लड़ा। उन्होंने 1971 में पहली बार चुनाव जनसंघ से जीता तब वे महज 26 साल के थे। जिसके बाद वे एक भी चुनाव नहीं हारे।

दूसरा चुनाव निर्दलीय तो बाकी चुनाव कांग्रेस से लड़े। वे लगातार नौ बार लोकसभा के सांसद रहे। 1984 में उन्होंने भाजपा के दिग्गज नेता अटल बिहारी वाजपेयी को ग्वालियर से चुनाव हराया। 1996 में, उन्होंने अर्जुन सिंह और अन्य कांग्रेस असंतुष्टों के साथ केंद्र में संयुक्त मोर्चा सरकार का हिस्सा बनने का अवसर दिया। यद्यपि उनका मध्य प्रदेश विकास कांग्रेस, संयुक्त मोर्चे का हिस्सा था, लेकिन सिंधिया ने खुद को मंत्रिमंडल से बाहर रहने का विकल्प चुना। वे 1990 से 1993 तक भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड के अध्यक्ष रहे।

माधवराव सिंधिया ने 1984 के बाद 1998 तक सभी चुनाव ग्वालियर से ही लड़े और जीत भी हासिल की। 1996 में तो कांग्रेस से अलग होकर भी वह भारी बहुमत से जीते थे। 1999 के चुनाव में अस्वस्थ राजमाता ने अपने पुत्र माधवराव सिंधिया को यह आसंदी छोड़ दी और 1999 में माधवराव सिंधिया ने पाँच उम्मीदवारों की मौजूदगी में अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी के देशराज सिंह को दो लाख 14 हज़ार 428 मतों से कीर्तिमान शिकस्त दी। इस प्रकार चौदह में से दस चुनावों में महल ने अपना परचम कभी माँ तो कभी बेटे के जरिए फहराया। ग्यारहवीं दफा भी महल ही परोक्ष रूप से इस सीट पर 'महेंद्र सिंह' के रूप में काबिज रहा।

तो स्वर्गीय माधवराव सिंधिया अगर आज होते तो 78 वर्ष की उम्र पूरी करते, लेकिन असमय ही काल ने 30 सितंबर 2001 को उन्हें अपना ग्रास बना लिया। पर जनसंघ से पहला चुनाव लड़कर राजनीति की शुरुआत करने वाले स्वर्गीय माधवराव सिंधिया ने भले ही बाद में कांग्रेस का दामन थाम लिया हो, लेकिन अब एक बार फिर वह दोनों दल कांग्रेस और भाजपा के दिल में बसे हैं।

-कौशल किशोर चतुर्वेदी

विदेश ऑक्यूपाइड विचार विस्फोट, भारतीय स्वाभिमान पर चोट

सरयूसुत मिश्रा

भारत जोड़ो यात्रा के बाद कांग्रेस के नए पॉलीटिकल गुरु बने राहुल गांधी ने लंदन में अपने प्रवास के दौरान हर दिन नए-नए आरोप भारतीय लोकतंत्र पर लगाए. उनका हालिया आरोप राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर आया है. उनका कहना है कि आरएसएस एक सीक्रेट कट्टरपंथी फासीवादी संगठन है. इस संगठन द्वारा देश के संस्थानों पर कब्जा कर लिया गया है. इस कारण भारत में कॉम्पेटेटिव डेमोक्रेसी ने एक तरफा स्वरूप ग्रहण कर लिया है।

आरएसएस का नेशनहुड, राहुल गांधी को मुस्लिम ब्रदरहुड लग रहा है. आरएसएस और कांग्रेस की प्रतिद्वंदिता कोई नई नहीं है. जवाहरलाल नेहरू, इंदिरा गांधी और राजीव गांधी भी आरएसएस के खिलाफ सार्वजनिक रूप से विचार रखते थे लेकिन कांग्रेस के नए पॉलीटिकल गुरु अपने पूर्वजों से भी आगे निकल गए हैं. उनके पास न मालूम कौन सा बैरोमीटर है जिससे उन्होंने यह नाप लिया है कि आरएसएस ने प्रेस, न्यायपालिका संसद और चुनाव आयोग जैसी संस्थानों पर कब्जा कर लिया है।

आरएसएस ने कब्जा किया है या नहीं किया है लेकिन राहुल गांधी के मन मस्तिष्क पर जरूर संघ का कब्जा हो गया है. ऐसा दिखाई पड़ने लगा है कि उनके चिंतन की प्रक्रिया आरएसएस से शुरू और आरएसएस पर ही खत्म होती है. भारत जोड़ो यात्रा में पूरे समय देश में नफरत के लिए संघ को जिम्मेदार ठहराना उनका प्राथमिक दायित्व बना हुआ था. अब तो उनके द्वारा यहां तक आभास दिया जाने लगा है कि चुनाव नतीजे भी संघ द्वारा प्रायोजित ढंग से आने लगे हैं।

कन्याकुमारी से कश्मीर तक भारत जोड़ते समय राहुल गांधी को उनकी बात कहने से किसने रोका था? उन्होंने निश्चित रूप से अपनी बात कही और मीडिया में उसको स्थान भी मिला. विदेश में जाकर भारत के लोकतंत्र से जुड़े विषय पर बात रखना शायद उनके लिए इसलिए जरूरी है क्योंकि पूरी दुनिया में उससे अटेंशन मिलता है।

अटेंशन राहुल गांधी के कारण कम और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विरोध के कारण ज्यादा मिलता है. जो भी आरोप भारत के संबंध में लगाए जाते हैं वे राष्ट्रीय सेवक संघ, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, भारत सरकार, भारत में नफरत, मुस्लिमों के साथ दुर्व्यवहार, उद्योगपतियों को बेजा फायदा जैसे मुद्दों से जुड़े होते हैं. इसके कारण पूरी दुनिया उन पर ध्यान देती है।

राहुल गांधी कह रहे हैं कि भारत में लोकतंत्र पर हमले के प्रति यूरोपीय देश चुप्पी साधे हुए हैं. भारत के लोकतंत्र के लिए दूसरे देश क्या करेंगे? राहुल गांधी उन देशों से क्या अपेक्षा रखते हैं? भारत में मीडिया पर भी आक्षेप लगाना कांग्रेस की शैली बन गई है. न मालूम किस मानसिकता में राहुल गांधी और कांग्रेस पूरी दुनिया में यह साबित करने की कोशिश कर रहे हैं कि नरेंद्र मोदी और उनकी सरकार तथा उनके जुड़े हुए संगठन डेमोक्रेसी के लिए खतरनाक हैं।

भारत जिन विचारों को मजबूती के साथ अपना रहा है उन विचारों को ही कट्टर और नफरत फैलाने के लिए जिम्मेदार मानना कांग्रेस के लिए आत्मघाती साबित हो रहा है. कांग्रेस की पूरी राजनीति मुस्लिम धुरी के इर्द-गिर्द घूम रही है. हिंदुत्व के प्रति समय-समय पर झुकाव दिखाते जरूर हैं लेकिन उसकी बुनियादी शर्त यह है कि मुस्लिम पॉलिटिक्स सुनिश्चित रूप से कांग्रेस के कब्जे में होना चाहिए. उसके बाद फिर दूसरे विचारों को स्वीकार किया जाएगा।

राहुल गांधी आरएसएस और बीजेपी पर मुस्लिम विरोधी होने का आरोप लगाकर एक तरह से उनकी पिच पर ही चले जाते हैं. जब भी आरएसएस बीजेपी को मुस्लिम विरोधी साबित किया जाता है तब यह समुदाय इस बात का विश्लेषण करता है कि भारत की सरकार या राज्यों की बीजेपी सरकार ऐसी कौन सी नीतियां और योजनाएं चला रहे हैं जो मुस्लिम विरोधी हैं? तमाम विश्लेषणों के बाद भी एक भी ऐसी योजना नहीं मिलती जिसमें धार्मिक आधार पर विभाजन किया जा रहा है।

चिंतन मनन के बाद मुस्लिम आबादी इस नतीजे पर पहुंचती है कि आरएसएस-बीजेपी को मुस्लिम विरोधी बताने का राजनीतिक उद्देश्य होता है. इसके विपरीत संघ और भाजपा मुस्लिमों के बीच अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए योजनाबद्ध ढंग से काम कर रहे हैं. मस्जिदों में जाकर मुस्लिम धर्मगुरुओं से आरएसएस के सरसंघचालक द्वारा मुलाकात करना कोई सामान्य घटना नहीं है।

पसमांदा मुसलमानों के कल्याण के लिए अभियान के रूप में जागरुकता बढ़ाना बीजेपी की सुनियोजित रणनीति है. एक दौर था जब मुस्लिम आबादी संघ और बीजेपी के विरोध में हुआ करती थी आज इन स्थितियों में आखिर बदलाव आ गया है. मध्यप्रदेश में ही नगरीय निकायों में भाजपा के 100 से अधिक पार्षद मुस्लिम समुदाय से चुनकर आए हैं. गुजरात जैसे राज्यों में दाऊदी बौहरा मुस्लिम बीजेपी के समर्थक माने जा रहे हैं।

देश में आज आम आदमी के लाइवलीहुड की समस्या है. इस समस्या पर राजनीति खासकर विपक्ष को फोकस करने की जरूरत है. हिंदू मुस्लिम की राजनीति से विपक्ष अब कोई राजनीतिक लाभ प्राप्त कर सकेगा यह संभव नहीं लग रहा है. मुस्लिम तुष्टिकरण की जितनी भी बात की जाती है उसकी प्रतिक्रिया में बीजेपी को हिंदुत्व के एकीकरण का लाभ मिल जाता है।

जब विकास और लाइवलीहुड की बुनियादी बातों पर विपक्ष अपनी बात मजबूती के साथ तथ्यपरक ढंग से रखेगा तब सरकारों को जवाब देना कठिन हो जाएगा. ऐसे हालात हमेशा विपक्ष के लिए लाभकारी सिद्ध होते हैं. राजनेताओं ने भारत की राजनीति का मर्म ही बदल दिया है. राजनीति शास्त्र जो जनसेवा का कर्म हुआ करता था आज नेताओं ने उसे बेशर्म जैसा बना दिया है।

कांग्रेस और कांग्रेस के नेताओं यहां तक कि राहुल गांधी की बात का अपना महत्व है. उसको पूरी तौर से इसलिए नहीं नकारा जाता क्योंकि भारत और कांग्रेस का रिश्ता बहुत पुराना है. पुराना इतिहास याद करने के लिए ठीक हो सकता है लेकिन यह कितना सही है कि

'जीवन पीछे का नहीं आगे बढ़ता नित्य,
नहीं पुरातन से कभी रचता नया साहित्य,

राजनीति के मैदान में राष्ट्र को दांव पर लगाना देश के साथ ही विश्वासघात कहा जाएगा. राष्ट्र का स्थान तो फूल जैसा है. फूल के साथ किसी भी ढंग से व्यवहार किया जाए वह तो सुगंध ही देगा. यह कहना कितना सारगर्भित है कि

तोड़ो, मसलो या कितना उस पर डालो धूल
बदले में लेकिन तुम्हें खुशबू ही दे फूल

यह खुशबू भी तब तक ही मिलेगी जब तक फूल का पेड़ रहेगा. राजनीति तो लोकतंत्र का पेड़ उखाड़ने से भी पीछे नहीं रहना चाहती।

वैश्विक स्तर पर महिलाओं की सहभागिता में विभिन्न चुनौतियां

डॉ भूपेंद्र कुमार सुल्झेरे

भारतवर्ष में नारी को अनादि काल से समानता के अधिकार अपितु पुरुषों से भी श्रेष्ठ माना गया है ऐसे बहुत से उदाहरण मिलते हैं तब भी 21वीं सदी की महिला विज्ञान टेक्नोलॉजी खेल राजनीति ऐसे कोई विषय नहीं है जिनमें अपने आप को स्थापित नहीं किया। 2023 के अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के लिए संयुक्त राष्ट्र की थीम डिजिटऑल: लैंगिक समानता के लिए आविष्कार एवं तकनीक है. इस थीम का लक्ष्य तकनीक और ऑनलाइन शिक्षा के क्षेत्र में लड़कियों और महिलाओं द्वारा दिए जा रहे योगदान को स्वीकार करना और उसका जश्न मनाना है।

इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर महिलाओं और लड़कियों की असमानता पर डिजिटल लैंगिक फ़र्क़ के असर की पड़ताल भी की जाएगी. क्योंकि, संयुक्त राष्ट्र का आकलन है कि अगर ऑनलाइन दुनिया तक महिलाओं की पहुंच की कमी को दूर नहीं किया गया, तो इससे कम और मध्यम आमदनी वाले देशों के सकल घरेलू उत्पाद को 1.5 ख़रब डॉलर का नुक़सान होगा।

हालांकि, इस साल अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर दूसरे मुद्दे भी चर्चा में हैं. अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस की वेबसाइट कहती है कि उसे महिलाओं के लिए सकारात्मक बदलाव लाने के मंच के रूप मे बनाया गया है। इस वेबसाइट ने अपनी थीम समानता को अपनाओ को चुना है। इससे जुड़े संगठनों और कार्यक्रमों के ज़रिए महिलाओं की घिसी-पिटी लैंगिक भूमिका को चुनौती देने, भेदभाव के ख़िलाफ़ आवाज़ बुलंद करने, पक्षपात के प्रति ध्यान खींचने और महिलाओं को हर क्षेत्र में शामिल किए जाने को लेकर आवाज़ उठाई जाएगी। अफ़ग़ानिस्तान की महिलाएं पढ़ाई का हक़ हासिल करने के लिए संघर्ष कर रही हैं।

पिछले एक साल के दौरान अफ़ग़ानिस्तान, ईरान, यूक्रेन और अमरीका जैसे कई देशों में महिलाएं अपने अपने देशों में युद्ध, हिंसा और नीतिगत बदलावों के बीच अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ती रही हैं। अफ़ग़ानिस्तान में तालिबान की सत्ता में वापसी ने मानव अधिकारों के मामले में तरक़्क़ी को बाधित कर दिया है. क्योंकि महिलाओं और लड़कियों को उच्च शिक्षा हासिल करने से रोक दिया गया गया है।

उनके घर से बाहर ज़्यादातर काम करने पर और किसी पुरुष संरक्षक के बग़ैर लंबी दूरी का सफ़र करने पर पाबंदी लगा दी गई है। तालिबान ने महिलाओं को हुक्म जारी किया है कि वो घर से बाहर या दूसरे लोगों के सामने अपना पूरा चेहरा ढक कर रखें।

ईरान में विरोध प्रदर्शन: ईरान में 22 साल की महसा अमीनी नाम की महिला की मौत के बाद विरोध प्रदर्शन भड़क उठे थे. महसा को 13 सितंबर 2022 को ईरान की मॉरिलिटी पुलिस ने गिरफ़्तार किया था. उन पर सार्वजनिक स्थानों पर महिलाओं के अपने बाल दुपट्टे से ढंकने के सख़्त नियम को तोड़ने का इल्ज़ाम था। उसके बाद से पूरे ईरान में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए, जिनका सिलसिला अब तक जारी है. ईरान में बहुत सी महिलाएं और पुरुष अब महिलाओं के लिए बेहतर अधिकारों की मांग उठा रहे हैं. वो मौजूदा सियासी नेतृत्व में भी बदलाव चाहते हैं। प्रदर्शनकारियों का नारा, औरतें, ज़िंदगी, आज़ादी है. ईरान की हुकूमत इन विरोध प्रदर्शनों को दंगा कहकर प्रदर्शनकारियों से बेहद सख़्ती से निपट रही है. विरोध प्रदर्शनों और सरकार ने इन्हें कुचलने की कोशिशों में अब तक 500 से ज़्यादा लोग मारे जा चुके हैं।

24 फ़रवरी 2022 को रूस की सेना ने यूक्रेन पर आक्रमण कर दिया था. संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के मुताबिक़, युद्ध शुरू होने के बाद से यूक्रेन में खाने पीने की कमी, कुपोषण और ग़रीबी के मामले में औरतों और मर्दों के बीच फ़ासला बढ़ गया है. और युद्ध के चलते क़ीमतों में उछाल और क़िल्लत के कारण यूक्रेन में महिलाओं के प्रति हिंसा की घटनाओं में बहुत इज़ाफ़ा हो गया है।

24 जून 2022 को अमरीका के सुप्रीम कोर्ट ने रो बनाम वेड के एक ऐतिहासिक क़ानून को पलट दिया. इस क़ानून के तहत अमरीकी महिलाओं को गर्भपात का अधिकार हासिल था। सुप्रीम कोर्ट के फ़ैसले के बाद से पूरे अमरीका में इसके ख़िलाफ़ शोर उठा और विरोध प्रदर्शन हुए. बहुत सी अमरीकी महिलाएं, गर्भपात के लिए मेक्सिको जाने का विकल्प चुन रही हैं. क्योंकि, 2021 में एक ऐतिहासिक फ़ैसले के बाद, मेक्सिको में गर्भपात कराना जायज़ कर दिया गया था।

हालांकि, पिछले कुछ वर्षों के दौरान महिलाओं की स्थिति में सुधार भी आया है. दस साल के संघर्ष के बाद नवंबर 2022 में यूरोपीय संसद ने एक क़ानून पारित किया. इससे 2026 तक बाज़ार में सार्वजनिक कारोबार करने वाली कंपनियों के बोर्ड में महिलाओं की अधिक नुमाइंदगी सुनिश्चित हो सकेगी। यूरोपीय संघ ने कहा, ऊपरी ओहदे पर बैठने की क़ाबिलियत रखने वाली बहुत सी महिलाएं हैं और अपने नए यूरोपीय क़ानून से हम ये सुनिश्चित करेंगे कि इन महिलाओं को उन ओहदों तक पहुंच पाने का असली मौक़ा मिल सके।

इसी बीच, आर्मेनिया और कोलंबिया में पिता बनने पर छुट्टी से जुड़े क़ानूनों में भी बदलाव किया गया है. वहीं, स्पेन ने माहवारी पर सेहत की छुट्टी लेने और गर्भपात की सुविधाएं बढ़ाने वाले क़ानून पारित किए हैं। अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी ने बताया था कि बीजिंग में 2022 में हुए शीतकालीन ओलंपिक खेल लैंगिक रूप से सबसे ज़्यादा संतुलित थे। इन खेलों में शामिल कुल खिलाड़ियों में 45 फ़ीसद महिला एथलीट थीं. भले ही पुरुषों और महिलाओं के बीच लैंगिक समानता पूरी तरह से हासिल नहीं की जा सकी. लेकिन, नए दिशा निर्देशों के ज़रिए महिलाओं के खेलों की संतुलित रिपोर्टिंग को बढ़ावा ज़रूर दिया गया। 2023 के फीफा महिला फुटबॉल विश्व कप का विस्तार किया गया है. अब इसमें 36 टीमें हिस्सा ले रही हैं. इस मुक़ाबले से पहले अमरीका के फुटबॉल परिसंघ ने एक ऐतिहासिक समझौता किया है।

इसके तहत महिलाओं और पुरुषों की टीमों को बराबर भुगतान किया जाएगा. ये पहली बार है जब किसी खेल में औरतों और मर्दों को बराबर पैसे मिलेंगे. महिला खिलाड़ियों ने बराबर वेतन की मांग करते हुए कई मुक़दमे दायर किए थे. वो पिछले पांच साल से भी ज़्यादा समय से अपने हक़ की लड़ाई लड़ रही थीं।

इंटरनेट बंदी - आदेशों की समीक्षा ज़रूरी

-राकेश दुबे

विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र भारत, इंटरनेट बंद करने के मामले में भी सिरमौर हो गया है। यह लगातार 5 भारत लगातार 5 वाँ वर्ष है जब भारत इंटरनेट बंद करने के मामले में वैश्विक सूची में शीर्ष पर बना हुआ है।यह आकलन डिजिटल अधिकार संस्थान एक्सेस नाउ ने कीप इट ऑन के साथ गठजोड़ में जारी वार्षिक रिपोर्ट में किया है । इस रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2022 में भारत में आधिकारिक तौर पर 84 बार इंटरनेट बंद किया गया।

आँकड़े कहते हैं सन 2016 से अब तक दुनियाभर में इंटरनेट पर बंदी लगाने की जितनी घटनाओं का दस्तावेजीकरण हुआ उनमें से 58 प्रतिशत भारत से जुड़ी हैं। इंटरनेट पर पूरी बंदी के अलावा 2015 से 2022 के बीच भारतीय अधिकारियों ने 55 हजार से अधिक वेबसाइट को ब्लॉक किया। अकेले 2022 में ऐसी 6,700 वेबसाइट और प्लेटफार्म को ब्लॉक किया गया।

इंटरनेट पर ऐसी पाबंदी और सेंसरशिप अभिव्यक्ति की आजादी के मूल अधिकार का हनन ही हैं। इसके अलावा इनके आर्थिक दुष्प्रभाव भी हैं तथा यह डिजिटल इंडिया को प्रोत्साहित करने की घोषित सरकारी नीति के भी विरुद्ध है। इस नीति के तहत ही ई-कॉमर्स तथा डिजिटल लेनदेन को बढ़ावा दिया जाता है।यद्यपि इसे लेकर कानूनी चुनौतियां भी मौजूद हैं लेकिन इसके बावजूद केंद्र और राज्य सरकारें एक झटके से ऐसी बंदी लगाती रहीं हैं । नागरिकों के विरोध प्रदर्शन, राजनीतिक दृश्य संवेदनशील हत्याएं, चुनाव और यहां तक कि परीक्षाओं में चीटिंग रोकने को भी इसकी वजह बनाया गया।

संचार एवं सूचना प्रौद्योगिकी मसले पर संसद की स्थायी समिति ने सरकार से पारदर्शिता का आग्रह किया लेकिन इसके बावजूद सरकार इंटरनेट बंदी के आदेशों से संबंधित आंकड़े सामने रखने की इच्छुक नहीं है। सरकार के पास ऐसी बंदी को लागू करने तथा हटाने की प्रक्रिया को लेकर भी कोई स्पष्ट सिद्धांत भी नहीं है।

भारत का राज्य जम्मू कश्मीर दुनिया में सर्वाधिक इंटरनेट बंदी वाली जगह बना रहा और 2022 में वहां ऐसी 49 घटनाएं हुईं। तीन दिनों तक वहां कर्फ्यू की शैली में लगातार 16 आदेश जारी कर बंदी लगाई गई। इसके अलावा राजस्थान में 12 बार, पश्चिम बंगाल में सात बार और हरियाणा तथा झारखंड में ऐसी घटनाएं चार-चार बार हुई। जैसा कि रिपोर्ट में कहा गया क्योंकि सरकार इंटरनेट की बंदी का दस्तावेजीकरण करने की इच्छुक नहीं है इसलिए शायद ऐसी अनेक घटनाएं दर्ज भी नहीं हुई होंगी।ऐसे ही एक अध्ययन के मुताबिक भारत को 2020 में इस प्रकार की इंटरनेट बंदी के कारण संभवत 2.8 अरब डॉलर मूल्य की आर्थिक क्षति पहुंची जबकि 2021 में 50 करोड़ डॉलर के नुकसान का अनुमान है। हर बार बंदी लगने पर छोटे और बड़े दोनों तरह के कारोबारों को ऑनलाइन ऑर्डर का नुकसान उठाना पड़ा और इससे राजस्व की हानि हुई।

ऐसी स्थितियों में पैसे को डिजिटल तरीके से कहीं भेजना या नेट बैंकिंग और फिनटेक सेवाओं का लाभ लेना मुश्किल हो जाता है। कश्मीर और पूर्वोत्तर जैसे जिन इलाकों में बार-बार बंदी की जाती है वहां नकदी का चलन बढ़ता है वे बाकी देशों की तुलना में पिछड़ जाते हैं। दूरसंचार सेवा प्रदाताओं को भी राजस्व की हानि होती है तथा उनके ग्राहकों में असंतोष बढ़ता है।

याद कीजिए, भसीन बनाम भारत सरकार के मामले में सर्वोच्च न्यायालय ने कहा था कि इंटरनेट सेवाओं को अनिश्चितकाल के लिए निलंबित करना अवैध है और इंटरनेट बंदी की वजह के साथ संतोषजनक वजह प्रदान की जानी चाहिए। न्यायालय ने सरकार को यह निर्देश भी दिया कि उसने अपने निर्णय में जो परीक्षण रेखांकित किए हैं उनके आधार पर बंदी के आदेशों की समीक्षा की जानी चाहिए और जहां जरूरी न हो वहां बंदी हटाई जानी चाहिए।न्यायालय ने दोहराया कि ऑनलाइन अभिव्यक्ति की आजादी को संवैधानिक संरक्षण हासिल है और इसे केवल राष्ट्रीय सुरक्षा के नाम पर ही रोका जा सकता है। न्यायालय ने यह भी कहा कि हालांकि सरकार को बंदी लगाने का अधिकार है लेकिन इससे संबंधित कोई भी आदेश सार्वजनिक किया जाना चाहिए तथा वह न्यायिक समीक्षा का विषय होना चाहिए।

वैसे यह निर्णय जनवरी 2020 में आया था और ऐसा लगता है कि इसकी मोटे तौर पर अनदेखी कर दी गई। 2022 में इंटरनेट बंदी के कई मामलों में उसकी उपयुक्तता और आवश्यकता के सिद्धांत का पालन नहीं किया गया और उनकी समीक्षा की भी कोई व्यवस्था नहीं थी। इंटरनेट की बढ़ती पहुंच के साथ यह बात अहम है कि ऐसी बंदी को न्यूनतम किया जाए।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना, प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

सिंधिया व सीएम आज शहर में, नेशनल पार्क में छोड़े जाएंगे टाइगर ,मादा टाइगर गायब

शिवपुरी - जिले के माधव नेशनल पार्क में 27 साल बाद शेरों की दहाड़ सुनाई देने वाली है।इस ऐतिहासिक पलों के साक्षी बनेंगे केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया एवं प्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान।दोनों नेताद्वय ग्वालियर से दोपहर 12.55 पर हेलीकॉप्टर से सीधे माधव नेशनल पार्क पहुँचेंगे ,जहां एक टाइगर और दो लेडी टाइगर को छोड़ा जाना है तत्पश्चात दो बत्ती चौराहे से कोर्ट रोड होते हुए रोडशो निकाला जाएगा जो पोलोग्राउंड पहुँच कर आमसभा में बदल जायेगा।परंतु खबर है कि पन्ना नेशनल पार्क की लेडी टाइगर फॉरेस्ट डिपार्टमेंट को चकमा देकर अंडर ग्राउंड हो गई है। 9 मार्च 2023 की रात तक उसका कुछ भी पता नहीं लग पाया था। फॉरेस्ट डिपार्टमेंट की ओर से सूचना मिली है कि सतपुड़ा से शिवपुरी के लिए टाइगर को रवाना कर दिया गया है। बांधवगढ़ से मादा बाघ को भी रवाना कर दिया गया है लेकिन देर रात तक पन्ना नेशनल पार्क से दूसरी मादा बाघ को रवाना नहीं किया जा सका था। वन विभाग के लोग वैकल्पिक व्यवस्था की कोशिश कर रहे हैं परंतु अब उम्मीद काफी कम रह गई है।

संघठन मंत्री प्रवास के दौरान रुके रायसेन, जिलाध्यर्क्ष एवं कार्यकर्ताओं ने किया भव्य स्वागत

बरेली । भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश संगठन मंत्री हितानन्द शर्मा विदिशा प्रवास के दौरान कुछ देर रायसेन रूके इस बीच भारतीय जनता पार्टी के रायसेन जिलाअध्यक्ष राकेश शर्मा के नेतृत्व में कार्यकर्ताओं ने आगमन पर भव्य स्वागत किया इस संगठन मंत्री भाजपा जिला उपाध्यक्ष बर्षा लोधी के निज निवास पहुंचने पर जहाँ उपाध्यक्ष ने शाल श्रीफल भेंट कर अतिथियों का आत्मिय स्वागत किया इस बीच संगठन मंत्री शर्मा ने रायसेन जिले के नवनियुक्त जिलाअध्यक्ष राकेश शर्मा से संगठन के द्वारा चलाए जा रहे कार्यक्रमों को लेकर चर्चा करते हुए और किस तरह बूथ स्तर पर सरकार की जन हितैषी योजनाओं को पहुंचाने के लिए संगठन द्वारा किए जा रहे कार्य किए जाएं जिसको लेकर विस्तृत चर्चा 7 सरकार चुनावी वर्ष में पूरी तरह अपनी ताकत के साथ संगठन को बूथ स्तर तक मजबूत कर रही है इस बीच भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ भाजपा नेता भी मौजूद रहे जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा ने बताया कि हितानन्द भाईसाहब के मार्गदर्शन में संगठन बूथ स्तर तक मजबूती के साथ काम कर रहा है प्रत्येक कार्यकर्ता संगठन की महत्वपूर्ण कड़ी है जो कड़ी सरकार की जनहितैषी योजनाओं को बूथ स्तर तक पहुंचा रही है।

हर शुक्रवार शाम 4 से 6 बजे तक शिक्षा विभाग सुनेगा समस्याएं

छतरपुर। कलेक्टर संदीप जी.आर. ने मंगलवार को जिला पंचायत सभाकक्ष में जिला स्तरीय जनसुनवाई में लोगों से प्राप्त आवेदनों की सुनवाई की। जनसुनवाई में प्राप्त 53 शिकायती आवेदनों का परीक्षण करते हुये संबंधित विभाग को आवेदन निराकरण हेतु सौंपे गये। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती तपस्या परिहार, एडीएम नमः शिवाय अरजरिया सहित जिला स्तरीय विभागीय अधिकारी उपस्थित रहे। कलेक्टर श्री जीआर ने शिक्षा विभाग से जुड़े आवेदन जनसुनवाई में आने पर शिक्षा विभाग को निर्देश देते हुए कहा कि प्रत्येक शुक्रवार को शाम 4 से 6 बजे तक विभाग में ही लोगों की समस्याओं को सुनकर तथ्यात्मक समाधान करें। कलेक्टर ने दिमागी रूप से स्थिर नहीं रहने अथवा डिप्रेशन के शिकार हो जाने वाले व्यक्तियों को मोटिवेट करने तथा उनमें सकारात्मक ऊर्जा जाग्रत करने उनकी काउंसलिंग करते हुए आनंद विभाग को ऐसे व्यक्तियों को मार्गदर्शन, समझाइस अथवा कार्यशाला के माध्यम से मोटिवेट करने के निर्देश दिए।

गायन प्रतियोगिताा में पीयूष प्रथम

रतलाम 7 मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड इंदौर मुख्यालय द्वारा आयोजित स्वतंत्रता की 75 वीं वर्षगांठ के अवसर पर ÷आजादी का अमृत महोत्सव÷ कार्यक्रम के तहत गायन प्रतियोगिता का आयोजन इंदौर में किया गया 7 जिसमें वरिष्ठ लेखाधिकारी कार्यालय रतलाम के प्रतिभागी पीयूष नेने द्वारा सुमधुर आवाज में प्रस्तुति दी गई 7 पीयूष नेने द्वारा प्रस्तुत गीत को प्रथम स्थान प्राप्त हुआ । निर्णायक प्रकाश शूजालपुरकर, द्वारा श्री पीयूष नेने को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित किया गया। पीयूष नेने की इस उपलब्धि पर वरिष्ठ लेखाधिकारी रतलाम की लेखा अधिकारी विनीता संत एवं प्रीति पंड्या द्वारा हर्ष व्यक्त करते हुए बधाई दी गई एवं नगद पुरस्कार से सम्मानित किया गया। इस उपलब्धि पर विवेक वाजपेई, वीरेन्द्र सिंह चौहान, अनिता शर्मा, अंतिम बाला बिंदल, सविता कुलकर्णी, , मुकेश पाटीदार, संतोष चौहान, एवं समस्त स्टाफ द्वारा हर्ष व्यक्त किया गया।

रेत की लड़ाई दूसरे जिले की रॉयल्टी हो तो सीमा नहीं कर सकते पास

सीहोर। बुधनी में रेत को लेकर विवाद होने लगे हैं। रेत को लेकर लड़ाई होने लगी है। बुधनी की खनिज जांच चौकी पर रेत की जांच हो रही है जिसको लेकर विवाद भी सामने आ रहे हैं। पड़ोसी जिले से आ रही रेत की गाडिय़ों को बुधनी के नाके से पकड़कर थाने में खड़ा करवा दिया जा रहा है। रेत के कारोबार में ठेकेदार की मिलीभगत से मुख्यमंत्री के क्षेत्र बुधनी में मायनिंग विभाग की मनमानी चल रही है, दरअसल पावर मेक कंपनी द्वारा दूसरे जिले की रायल्टी कटी गाडिय़ों को मुख्य मार्ग पर खनिज नाके पर रोका जा रहा है ओर बिना किसी वजह गाडिय़ों को थाने में खड़ा करवा रहे हैं जबकि गाड़ी के सभी दस्तावेजों के साथ रॉयल्टी भी गाडिय़ों में है। मायनिंग विभाग एवं पावर मेक द्वारा ये कार्यवाही की जा रही है, पावर मेक के एक ठेकेदार थाने पहुंचे तो उन्होंने कुछ भी कहने को मना करते हुए रेत के सेम्पल ले जाते दिखाई दिये वहीं संतोष सूर्यवंशी मायनिंग अधिकारी को दूरभाष पर बात करने का प्रयास किया तो उन्होंने कॉल नहीं उठाया, जिसके बाद गाड़ी मालिक सब कुछ दस्तावेज होने के बाद भी परेशान हो रहे हैं और जिम्मेवार इस पर ध्यान नहीं दे रहे।

हर स्त्री को महिलाओं के खास अधिकारों की ? जानकारी होना चाहिए:एडीजे

शिवपुरी - महिलाएं समाज का अभिन्न अंग हैं जो राष्ट्र निर्माण में अभूतपूर्व योगदान दे रही हैं। दुनिया के तमाम देशों में महिलाओं को समान अधिकार, उन्नति के समान अवसर और हर क्षेत्र में महिलाओं की सहभागिता बढ़ाने के उद्देश्य से अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस मनाया जाता है। महिलाओं की स्थिति को मजबूत करने और सुरक्षित वातावरण देने के लिए भारतीय संविधान में महिलाओं को कुछ अधिकार दिए गए हैं। जिसके बारे में हर महिला को पता होना चाहिए। उपरोक्त उद्गार 8 मार्च को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि जिला न्यायाधीश अर्चना सिंह ने अपने मुख्य आतिथ्य उदबोदन में प्रकट किये।उन्होंने बताया कि महिलाओं को समान वेतन का अधिकार,मातृत्व संबंधी लाभ का अधिकार,नाम और पहचान गोपनीय रखने का अधिकार,मुफ्त कानूनी मदद का अधिकार एवं रात में गिरफ्तारी से बचने का अधिकार की जानकारी होना चाहिए। कार्यक्रम संयोजक रवि गोयल ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी शक्तिशाली महिला संगठन द्वारा महिला बाल विकास विभाग, स्वास्थ्य विभाग, कृषि विज्ञान केन्द्र एवं ब्रिटानिया न्युट्रीशन फाउण्डेशन द्वारा संयुक्त रुप से 100 महिलाओं का सम्मान कार्यक्रम फतेहपुर प्राईमरी स्कूल के कैम्पस में आयोजित किया।

सोशल मीडिया को मजबूती व हर बूथ पांच यूथ के मिशन को पूर्ण करने के लिए हुई बैठक

आज महाराजपुर विधानसभा के अंतर्गत विधायक नीरज विनोद जी के निज निवास ग्राम उर्दमऊ में युवाओं को सोशल मीडिया से जोड़ने के संदर्भ में कांग्रेस कार्यकर्ताओं के साथ बैठक की गई ।

इस आशय में कांग्रेस आईटी सेल के जिलाध्यक्ष दीपांशु यादव ने जानकारी देते हुए बताया है कि कांग्रेस की रीति नीति को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य व पूर्व मंत्री कमलनाथ जी की योजनाओं को सोशल मीडिया के माध्यम से हर घर के सदस्य तक पहुंचाने व महाराजपुर विधानसभा के पूर्व भाजपा ने विधायकों के कार्यों और कांग्रेस विधायक के 4 साल के तुलनात्मक कार्यों को जनता तक पहुंचाने व कांग्रेस से जुड़ी हुई विचारधारा से जनता को को प्रेरित करने के लिए बैठक आ आयोजन किया गया ।

मिशन 2023 में संपूर्ण मध्यप्रदेश चुनाव होने को जा रहा है जिसको देखते हुए कांग्रेस एक मजबूत रूप से सोशल मीडिया में ओवर कर अपनी योजनाओं को जैसे कर्जमाफी , बिजली बिल हाफ , गौशाला निर्माण बिजली की समस्या ,कन्या विवाह राशि महिलाओं के लिए ?18000 ,पेयजल समस्या जो भाजपा शासित में पूर्ण नहीं हो पाई कांग्रेस सरकार बनने पर जनता को इन योजनाओं का लाभ होगा इन योजनाओं को जनता के बीच पहुंचाने का कार्य करेंगे कांग्रेस सोशल मीडिया के कार्यकर्ता । इस बैठक में हर बूथ 5 यूथ की बैठक का भी आयोजन किया गया जिसमें यूथ कांग्रेस हर बूथ पर 5 बूथ का गठन कर मजबूती से मिशन 2023 चुनाव को मददगार बनेगी। इस बैठक में मुख्य रूप से महाराजपुर विधायक नीरज विनोद दीक्षित कांग्रेस आईटी ऑन सोशल मीडिया का जिला अध्यक्ष दीपांशु यादव ,यूथ कांग्रेस ब्लॉक अध्यक्ष देवेंद्र यादव ,मोनू मिश्रा, रामसेवक पटेल ,रविंद्र पटेल अरविंद तिवारी ,बबलू प्रजापति नीरज अहिरवार, हेमंत पटेल, रोहित चौरसिया ,गोलू यादव रूपेंद्र पाल ,हनुमत सिंह ,शैलेंद्र कुमार पटेल ,कपिल तिवारी, अरविंद तिवारी ,सत्यम तिवारी भूपेंद्र पटेल ,नीरज पटेल ,खेमचंद पटेल ,बबलू प्रजापति ,पुष्पेंद्र चौरसिया, हंसराज चौरसिया , दीपक नामदेव ,शिवम विश्वकर्मा , मुकेश कुशवाहा ,प्रेम प्रजापति , राजेंद्र शर्मा ,अशोक नामदेव ,सुमित लल्ला ,राहुल चौरसिया ,नीरज पटेल , नंदू पटेल ,दिलीप पटेल , मनोज अनुरागी, नरेश पटेल ,सिया राम पटेल ,छबिलाल पाल ,राम चरण पाल ,पप्पू कुशवाहा ,संजय राय ,राजीव राजा ,जयकांत पाठक राहुल अहिरवार सहित अन्य पदाधिकारी व कार्यकर्ता गण उपस्थित रहे ।

सरपंच,सचिव व रोजगार सहायक को थमाया नोटिस

शिवपुरी- पोहरी जनपद पंचायत के ग्राम पंचायत ककरौआ की सरपंच पति द्वारा पंचायत सचिव एवं रोजगार सहायक के साथ मिलकर पोहरी जनपद में पदस्थ उपयंत्री से फर्जी एस्टीमेट बनाने और फर्जी भुगतान करवाने के लिए उसकी मारपीट करने व धमकी देने की लिखित शिकायत पर महिला सरपंच सहित सचिव व रोजगार सहायक को जिला पंचायत सीईओ उमराव सिंह मरावी ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है। निर्धारित समयावधि में उक्त लोगों द्वारा जबाब प्रस्तुत न करने पर उनके खिलाफ एक तरफा कार्रवाई की जाएगी।

जानकारी के अनुसार पोहरी जनपद पंचायत में पदस्थ उपयंत्री नीतेश गुप्ता ने 4 मार्च 2023 को पोहरी जनपद सीईओ को शिकायत दर्ज कराई थी कि ग्राम पंचायत ककरौआ की सरपंच ज्योति तोमर के पति दीपक तोमर द्वारा द्वारा उस पर अनावश्यक रूप से फर्जी एस्टीमेट तैयार करने सहित फर्जी निर्माण कार्य का भुगतान करने के लिए दबाब बनाया जा रहा है। घटना के समय वह घर पर ही था तभी ककरौआ का पंचायत सचिव हरिराम जाटव व हर्ई का रोजगार सहायक शिवकुमार गोस्वामी उसके घर पर ग्राम पंचायत ककरौआ की सरपंच ज्योति तोमर के पति दीपक तोमर के साथ आए। पंचायत सचिव व रोजगार सहायक के द्वारा उसे घर से बुलाया गया। इसके बाद वह उसे घर से थोड़ी दूर आर्शीवाद अस्पताल के पास ले गए। जहां सरपंच पति ने दो अज्ञात लोगों के साथ मिलकर उसके साथ गाली गलौच एवं मारपीट चालू कर दी एवं धमकाया। शिकायत के आधार पर जिला पंचायत सीईओ उमराव मरावी ने ककरौआ की सरपंच ज्योति तोमर, ग्राम पंचायत ककरौआ के सचिव हरिराम जाटव व ग्राम पंचायत हर्ई के रोजगार सहायक शिवकुमार गोस्वामी के नोटिस जारी किया। सभी को जबाब देने के लिए सात दिन का समय दिया गया है। अगर तीनों सात दिन में अपना पक्ष प्रस्तुत नहीं करते हैं तो उनके खिलाफ एक तरफा कार्रवाई की जाएगी।

छतरपुर में प्रस्तावित फ्लाई ओवर आकाशवाणी तिराहा से महोवा रोड़ वनवाने वावत् जन हितेशी ज्ञापन

छतरपुर की जनता की सुविधा हेतू आपके द्वारा आकाशवाणी तिराहें से महोबा रोड तक 1800 मीटर का फ्लाई ओवर की सौगात दिनांक 12/01/2023 को ओरछा मध्य प्रदेश में आयोजित कार्यक्रम में दी । परन्तु म प्र शासन के पी. डब्लू विभाग के पत्र क्रमांक 19061/ भोपाल दिनांक 21/02/ 2023 जो कांग्रेस पूर्व राज्य सभा सदस्य भारत सरकार नई दिल्ली ,श्री सत्यवृत चतुवेर्दी जिनका स्वयं का मकान छतरपुर आकाशवाणी तिराहा से महोवा रोड़ के बीच में रोड़ पर अतिक्रमण कर बनाया गया था इनके प्लाट की रजिस्ट्री के अनुसार रोड़ से 50 फिट छोड़ कर की रजिस्ट्री हैं परन्तु रोड़ की सम्पूर्ण जगह पर अतिक्रमण कर मकान बना लिया गया वहां अन्य कांग्रेस के लोगों के भी अतिक्रमण में मकान बने हैं इस कारण इन?होने अपनी बेटी निधि के माध्यम से अन?य लोगों के साथ चन्दा कर वीरेन्द्र कुमार जी खटीक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार ,सासंद टीकमगढ़ लोक सभा क्षेत्र का एक होटल में स्वागत कर करोडों की राशि भेट की हैं छतरपुर में प्रस्तावित फ्लाई ओवर आकाशवाणी तिराहा से महोवा रोड़ को रूकवाने की कार्यवाही इन्ही कुछ चन्द लोगों ने मेन हाइवे रोड़ पर अतिक्रमण कर बिल्डिंग बना ली हैं,या बिजली विभाग से मिल कर रोड़ के लम्वत बिजली के ट्रान्सफार्मर के पोल लगवा कर रोड़ पर अतिक्रमण कर दुकानों का सामान रोड़ पर रखे है उन लोगों ने माननीय केन्द्रीय मंत्री श्री वीरेन्द्र खटीक जी का छतरपुर के होटल में स्वागत कर एक बड़ी राशि सौपी गई हैं । सिर्फ वो लोग एवं भूतपूर्व कांग्रेस से राज्य सभा सदस्य श्री सत्य वृत चतुर्वेदी जी परिवार सहित जिनका मकान अतिक्रमण में मेन हाईवे रोड़ पर बना हैं । फ्लाई ओवर निरस्त कराने के लिए जी तोड़ काम कर वो लोग भ्रमित कर यह बताने की कोशिश कर रहे है कि फ्लाई ओवर बनने से छतरपुर के लोगो को हानि होगी । इन अतिक्रमण कारियों के द्वारा भाड़े के लोगों की भीड़ इक?टठा कर भ्रमित किया जा रहा है

फ्लाई ओवर जनता के हित मे है फ्लाई ओवर बनना बहुत जरूरी है । जिन लोगों ने शासकीय रोड की भूमि पर अतिक्रमण कर रोड पर बिल्डिंग बना ली हे भाडे की जनता के साथ वीरेन्द्र कुमार खटीक सामाजिक न्याय और अधिकारिता मंत्री भारत सरकार,सासंद टीकमगढ़ लोक सभा क्षेत्र भी इन अतिक्रमणकारियों के चंगुल में फस कर फ्लाई ओवर नही बनाने के लिए सरकार पर दवाव डाल रहे है आप जनता के चुने हुये जनप्रतिनिधि हो आप यदि चाहे तो गोपनीय तरीके से सर्वे भी करा सकते है 98 व प्रतिशत जनता फ्लाई ओवर बनाने के पक्ष में है ।

मुख्यमंत्री कन्यादान योजना में 30 कन्याओं का हुआ विवाह

बैरसिया। मुख्यमंत्री कन्यादान योजना अंतर्गत नगर पालिका ने गुरुवार को मानस भवन में कन्या विवाह एवं निकाह कराए। आयोजन में 30 जोड़ो का विवाह सम्पन्न हुए। इसमें 17 जोड़ो का विवाह हुआ और 13 जोड़ो का निकाह हुआ।

इस दौरान नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ ने एक कन्या के कन्यादान की रस्म अदा की। विवाह और निकाह होने के बाद मंच से नव युगल जोड़ो को विधायक विष्णु खत्री और नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह राठौड़ में 11-11 हज़ार के चेक वितरण किये। इस दौरान विधायक विष्णु खत्री ने कहा कि माता-बहनों के लिए हमारी सरकार इतनी योजनाए लागू कर दी है कि अब समाज मे माता-बहनों को बोझ न समझा जाये। माता-बहनों की पूरी जिम्मेदारी सरकार उठा रही है। हमारे मुख्यमंत्री को सबसे ज्यादा चिंता माता-बहनों की रहती है। कार्यक्रम में नगर पालिका अध्यक्ष तनुश्री कुलदीप सिंह ने कहा कि हमारी सरकार की यह बहुत महत्वपूर्ण योजना है। आज इतनी बहनों का एक साथ कन्यादान हुआ। सभी नव युगलों को मेरी तरफ से बहुत शुभकामनाएं। उन्होंने कहा कि जब से भाजपा सरकार आई है तब से यह सत्य है कि जितनी चिंता हमारी माता बहनों की हो रही है। उनती चिंता पूर्व की सरकार ने कभी नहीं की।

पुलिस होली मिलन समारोह में शामिल हुए जिलाअध्यक्ष, जिले में शांतिपूर्ण मनी होली कलेक्टर एसपी दी बधाई

रोहित चौधरी बरेली 7 रायसेन जिले में होली का त्यौहार शांति और सद्भाव पूर्ण मनाया गया। जिले में शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए पुलिस ने खूब मेहनत की। आमजन की होली शांति सद्भाव साथ मनाने के बाद गुरुवार को पुलिस विभाग ने अपनी होली मनाई। सुबह पुलिस अधीक्षक विकाश कुमार साहवाल के निवास पर होली का आयोजन किया गया। जिसमें भाजपा जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा एवं रायसेन नगर मंडल अध्यक्ष आदित्य जीतू शर्मा शामिल हुए पुलिस प्रशासन ने जिलाअध्यक्ष का स्वागत किया इस बीच जिलाअध्यक्ष शर्मा ने जिले में शांति और सद्भाव के साथ होली मनवाने वाले जिले के कलेक्टर अरविंद दुबे ,पुलिस कप्तान विकास कुमार साहवाल एवं एडिशनल एसपी अमृत मीणा एवं समस्त पुलिस प्रशासन को रोरी गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी 7 एवं उनके द्वारा किए गए आत्मीयता पूर्ण स्वागत के लिए दिल से धन्यवाद दिया 7 जिलाध्यक्ष शर्मा ने कहा कि जिले का प्रत्येक प्रशासनिक अधिकारी कर्मचारी सभी पुलिसकर्मियों को त्योहार पर मुस्तैदी से कार्य करने और कानून व्यवस्था बनाने में पूरी मेहनत ईमानदारी ने ड्यूटी निभाने पर धन्यवाद देकर उनका मनोबल बढ़ाया सभी बधाई के पात्र हैं 7

परीक्षा केन्द्र सिरवेल नकल प्रकरण में केन्द्राध्यक्ष एवं सहायक केन्द्राध्यक्ष सहित 17 शिक्षक निलंबित

खरगोन । माध्यमिक शिक्षा मण्डल कक्षा 10वीं के सामाजिक विज्ञान प्रश्न पत्र में नकल प्रकरण के बाद संलिप्त शिक्षकों के निलंबन के आदेश कलेक्टर श्री शिवराज सिंह वर्मा ने जारी कर दिए है। सहायक आयुक्त श्री प्रशांत आर्य ने पूरे मामलें में जानकारी देते हुए बताया कि संयुक्त दल द्वारा परीक्षा केन्द्र सिरवेल पर जांच के दौरान कक्षा 10वीं के सामाजिक विज्ञान की परीक्षा में परीक्षा केन्द्र एवं उसके आस-पास की गतिविधि संदिग्ध पायी गई थी। जनजाति कार्य विभाग द्वारा जारी प्रेसनोट के माध्यम से बताया कि परीक्षा केन्द्र के पास एक सुनसान मकान में कुल 09 व्यक्ति कक्षा 10 वीं के सामाजिक विज्ञान का पेपर लाकर गाइड के पन्नों को फाड़ रहे थे तथा कार्बन पेपर लगाकर अपनी हेण्ड राईटिंग मे आब्जेक्टिव कुछ लिख रहे थे। इस दौरान व्यक्तियों से किताबे और नकल सामग्री जब्त की गई। दल को देखकर उक्त व्यक्तियों ने नकल सामग्री को छुपाने का प्रयास किया गया किन्तु दल ने इनके पास से समस्त लिखित दस्तावेज परीक्षा का पेपर, फटे हुए उत्तर एवं लिखे हुए ऑब्जेक्टिव कापीयां, 04 मोबाइल से फोटो खिचे गये प्रश्न पत्र एवं अन्य वस्तुएं जब्त की गई।

इन पर हुई निलंबन की कार्यवाही

इस पूरे मामलें को लेकर कलेक्टर श्री वर्मा ने संलिप्त शिक्षकों को निलंबित करने के आदेश जारी कर दिए है। इसमें केंद्राध्यक्ष श्री अशोक जायसवाल उमावि मोतीपुरा खरगोन, सहायक केंद्राध्यक्ष श्री धन्नालाल आरसे उमावि सरवर देवला, पर्यवेक्षक श्रीमती सारिका बडोले शिक्षक, शा. कन्या आश्रम कोटबैडा, श्री पर्यवेक्षक दिलीप कनासे शिक्षक प्रा.वि. तितरबांगली, पर्यवेक्षक श्री मदन जाधव प्राथमिक शिक्षक प्रा.वि. धूपाबुजुर्ग, पर्यवेक्षक श्री सुभाष पाटीदार प्राथमिक शिक्षक, प्रा.वि. चापरियापानी, पर्यवेक्षक श्री भूरला सोनवानी प्राथमिक शिक्षक प्रा.वि. कनस्याफाल्या, पर्यवेक्षक श्री दिनेश किराडे प्राथमिक शिक्षक, प्रा. वि. अम्बा, पर्यवेक्षक श्री हिरालाल वास्कले प्राथमिक शिक्षक, प्रा.वि. कुम्हारबेडी, पर्यवेक्षक श्री रसीद कुरैशी प्राथमिक शिक्षक प्रा.वि. पटेल फाल्या, पर्यवेक्षक श्री टोकरिया बारेला प्राथमिक शिक्षक, प्रा.वि. कोटबेडा, पर्यवेक्षक श्री जयपाल नार्वे प्राथमिक शिक्षक, प्रा.वि. कोटबेड़ा, पर्यवेक्षक श्री छगन चौहान प्राथमिक शिक्षक, प्रा.वि. गांवढाला फाल्या सिरवेल, श्री बहादुरसिंह पिता सानू गरासे, माध्यमिक शिक्षक, शा. हाईस्कूल नादिया, श्री दयाराम पिता रूपसिंह सोलंकी, सहायक शिक्षक, शा. हाईस्कूल सिरवेल, पर्यवेक्षक श्री बिसनसिंह डुडवे प्राथमिक शिक्षक, प्रा.वि. चापरियापानी, श्री सचिन पिता मंशाराम गाडगे, माध्यमिक शिक्षक, शा. हाईस्कूल नांदिया शामिल है।

नकल प्रकरण में संलिप्त 05 अतिथि शिक्षकों को भी हटाया

इस मामले में विभिन्न अतिथि शिक्षकों को भी हटाने के निर्देश संबंधित विकासखंड शिक्षा अधिकारी को दिए गए है। इनमें श्री वसीम खान अतिथि शिक्षक, श्री सुरेश सोलंकी अतिथि शिक्षक, श्री अनिल बडोले अतिथि शिक्षक, श्री राजु सोलंकी अतिथि शिक्षक और सुरेश बारेला अतिथि शिक्षक शामिल है।

एक लोटा चंदन, केशर, इत्र और फलों से किया भगवान शिव का महाभिषेक, फिर श्रद्धालुओं के संग खेली गुलाल और फूलों से होली

दूसरे दिन महादेव की होली में निकाला भव्य चल समारोह, नारी शक्ति के साथ केसरिया रंग में डूबे शहरवासी

सीहोर। लगातार दूसरी बार शहरवासियों ने महादेव की होली का महोत्सव मनाया, गुरुवार को भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा महादेव की होली में शामिल हुए। देखा गया की पूरे नगर में महादेव की होली आस्था और विश्वास के साथ मनाई गई। लोगों ने पूरी श्रद्धा के साथ भगवान शिव शंकर के मंदिर में जाकर पूजा अर्चना की ओर मुख्य मार्ग पर निकले चल समारोह का स्थान-स्थान पर ऐतिहासिक स्वागत हुआ। महादेव की होली उत्साह से मना रहे सभी शहर वासियों का शहर प्रमुख मार्गों पर श्रद्धालुओं, संगठनों के द्वारा फूलों और गुलाल से भव्य स्वागत किया गया। महादेव की होली चल समारोह में मशीन से गुलाल उडाया गया, इस मौके पर महाकाल की तर्ज पर डमरु पाटी, कुबेरेश्वधाम के डोल बाजे और भगोरिया नृत्य करने वाले भीलों की टीम आकर्षण का केन्द्र थी। सुबह सा? दस बजे महादेव की होली के अवसर पर पंडित प्रदीप मिश्रा द्वारा चमत्कारेश्वर मंदिर में पूजा की गई। यह चल समारोह सीहोर के धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है जो शिव भक्तों को एक साथ लाने और उनके बीच एकता और समरसता को ब?ावा देने में मदद करेगा, अब शनिवार को आष्टा क्षेत्र में महादेव की होली का पर्व मनाया जाएगा।

गुरुवार को भागवत भूषण पंडित श्री मिश्रा के आह्वान पर शहर के छावनी सहित अन्य स्थानों पर होली के दूसरे दिन महादेव की होली खेली गई, इसके लिए एक दिन पहले से ही शहर के सभी शिवालयों को फूलों से सजाया गया था। सभी जगह केसरिया रंग और गुलाल की व्यवस्था की गई थी। मंदिरों में सुबह से ही महिलाओं का पहुंचना भी शुरू हो गया। था, इस तरह से यह भी दूसरा मौका था, जब होली पर्व के चल समारोह में हजारों की संख्या में महिलाओं और युवतियों भी शामिल हुई। चल समारोह के पीछे मशीन से गुलाल उडाया जा रहा था, सुबह शहर के छावनी स्थित चमत्कालेश्वर महादेव मंदिर पर भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा पहुंचे और विशेष अर्चना के बाद चल समारोह आरंभ हुआ। इसके पश्चात शहर के अमर टाकिज के समीप गुप्तेश्वर महादेव मंदिर, ब?ा बाजार स्थित पिपलेश्वर महादेव मंदिर और इसके पश्चात मनकामेश्वर महोदव मंदिर पर भी होली महोत्सव मनाया गया। इस मौके पर डीजे, बैंड बाजे, डोल, मंजीरे, डमरु की धून पर श्रद्धालुओं ने जमकर आनंद उठाया।

शनिवार को आष्टा में भव्य रूप से मनाई जाएगी महादेव की होली

विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी प्रियांशु दीक्षित ने बताया कि सनातन धर्म के अंदर होली के पावन त्योहार का विशेष महत्व माना गया है। इस दिन मथुरा वृंदावन और वाराणसी समेत पूरा देश होली के रंग में रंगीन हो जाता है। धार्मिक ग्रंथों में भी होली के पावन पर्व का उल्लेख किया। इसी को देखते हुए सीहोर और आष्टा में होली का पर्व भागवत भूषण पंडित प्रदीप मिश्रा ने महादेव की होली मनाए जाने का संदेश दिया है। यह दूसरी साल है, गुरुवार को सीहोर शहर में होली का पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया गया अब शनिवार को सुबह दस बजे भागवत भूषण श्री मिश्रा आष्टा में होली का महोत्सव मनाने जाऐंगे। इसके लिए आष्टावासियों ने भव्य तैयारियां की है।

नमक चौराहे पर मनाई केसरिया होली

शहर के छावनी स्थित नमकर चौराहे पर प्रतिवर्ष अनुसार इस साल भी केसरिया होली महोत्सव का आयोजन किया गया। इसमें सभी क्षेत्रवासियों ने नई पीले टीशर्ट पहनकर गुलाल, पानी और फूलों की वर्षा कर उत्सव मनाया। नमक चौराहा में होली खेलने का अलग ही अंदाज है। यहां सिर्फ केसरिया रंग से ही होली खेली जाती है। बच्चे, युवा व बुजुर्ग सिर्फ केसरिया रंग से ही होली खेलते है। बच्चों को भी केसरिया रंग देकर खोली खेलने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है। इस अलग अंदाज की वजह यहां दूर-दूर से युवा होली खेलने आते हैं। इससे जुदा बुजुर्गों को भी विशेष रूप से आमंत्रित कर उन्हें न केवल सम्मानित किया जाता है, बल्कि बुजुर्गों की जोडि?ों के रूप में होली खिलाकर पुराने जमाने की स्मृतियों को यादों को एक बार फिर से ताजा करा दिया जाता है। समिति के आनंद गांधी बताते हैं कि मोहल्ले में रहने वाले जो लोग बाहर चले गए हैं उन्हें भी आमंत्रण भेजकर केसरिया रंग से होली खेलने के लिए आमंत्रित किया जाता है। इस साल भी यहां पर बच्चे से लेकर बुजुर्गों ने पूरे उत्साह के साथ शाम चार बजे तक होली का उत्सव मनाया।

मध्यप्रदेश शासन
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग
मंत्रालय, भोपाल

क्रमांक 509 /1191368/2023/1/65 भोपाल, दिनांक : 7/03/2023

प्रति

अध्यक्ष,
फेडरेशन ऑफ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्रीज,
उद्योग भवन, दूसरी मंजिल,
129-ए, मालवीय नगर, भोपाल

विषय:-प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम तथा स्टार्टअप को शासकीय क्रय में प्राथमिकता प्रदान करने बावत् ।

संदर्भ:-आदेश क्रमांक एफ 9-20/2021/अ-तेहत्तर दिनांक 13.01.2023

उपरोक्त संदर्भित आदेश के द्वारा म.प्र. भण्डार क्रय तथा सेवा उपार्जन नियम-2015 (यथा संशोधित 2022) जारी करते हुए तत्काल प्रभाव से लागू किया गया है। उक्त नियमों के नियम 23, जो कि प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम तथा स्टार्टअप को प्राथमिकताहेतु प्रावधान से संबंधित है, अन्तर्गत प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम तथा स्टार्टअप से शासकीय क्रय हेतु उत्पादों की सूची अनुमोदित की जाना है ।

2/ प्रदेश के सूक्ष्म एवं लघु उद्यम से क्रय हेतु जिन उत्पादों का समावेश इस सूची में किया जाना प्रस्तावित है बावत जानकारी दिनांक 14.03.2023 के पूर्व ईमेल (rajeev.jain65@mp.gov.in) पर उपलब्ध करवाने का कष्ट करें, ताकि सूची अंतर्गत उल्लेखित उत्पादों का परीक्षण किया जाकर शासकीय क्रय हेतु उत्पादों की सूची के अनुमोदन के संबंध में आगामी कार्यवाही की जा सकें।

विशेष कर्तव्यस्थ अधिकारी
मध्यप्रदेश शासन
सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग

Dear All, the department of MSME vide their letter dated 7th March has requested Federation to provide a list of MSME products which can be included in the list of Government purchase preference. The list is to be provided latest by 14th March. The letter is enclosed. Kindly circulate it to all members and send your suggestions to fmpcci@fmpcci.org for compilation and forwarding.

फसलों के नुकसान का विधायक ने किया मुआयना, सर्वे के निर्देश

संत हिरदाराम नगर। सोमवार को अचानक तेज बारिश और ओलावृष्टि के कारण मध्यप्रदेश के किसानों की मेहनत पर पानी फिरते नजर आया। लगातार तेज बारिश से फसलों को काफी नुकसान हुआ है। कुछ क्षेत्रों में खेतों में खड़ी फसलें पूरी तरह नष्ट हो गईं हैं, जबकि कई क्षेत्रों में फसलों को कम या आंशिक नुकसान हुआ है। खेतों में नुकसान को देखते हुए सोमवार की रात को मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान ने किसानों को ढांढस बंधाते हुए जल्द सर्वे के निर्देश दिए हैं। इधर, हुजूर विधायक रामेश्वर शर्मा ने भी क्षेत्र के किसानों के खेतों पर जाकर फसलों को हुए नुकसान का मुआयना किया। विधायक शर्मा ने किसानों से बातचीत कर अधिकारियों को जल्द सर्वे कराने के निर्देश भी दिए।विधायक रामेश्वर शर्मा ने कहा कि प्रकृति पर इंसान का वश नहीं है। इसलिए प्राकृतिक आपदाओं को टाला तो नहीं जा सकता लेकिन उनसे हुए नुकसान को कम जरुर किया जा सकता है। मध्यप्रदेश के किसानों को चिंता की कोई आवश्यकता नहीं है। मध्यप्रदेश में किसान पुत्र शिवराज सिंह चैहान की सरकार है जो कृषि और किसानों की मेहनत को करीब से समझते हैं। इसलिए उन्होंने तुरंत बारिश के बाद फसलों के नुकसान का सर्वे कराने के निर्देश दे दिए थे। हुजूर के किसानों के लिए मैं हर कदम पर साथ खड़ा हूं। किसी भी मुसीबत में किसानों को अकेला नहीं छोड़ूंगा। हुजूर में जल्द से जल्द फसलों का सर्वे कराकर नागरिकों की हर संभव मदद की जाएगी।

विक्रमादित्य महोत्सव समिति के पदाधिकारियों का हुआ सम्मान

संत हिरदाराम नगर। इस साल चार दिवसीय राजा वीर विक्रमादित्य महोत्सव सफलतापूर्वक सम्पन्न हो जाने एवं मंदिर में 10 हजार से अधिक श्रद्धालुओं के आकर प्रसाद ग्रहण करने साथ ही इस आयोजन में अपनी महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पदाधिकारियों का सम्मान किया गया। इधर समिति के अध्यक्ष किशोर तेजवानी ने एक बार फिर विधायक एवं सरकार से भव्य झूलेलाल मंदिर हेतु एक एकड़ जमीन की मांग की है। तेजवानी ने कहा कि जब राजा वीर मंदिर की स्थापना की गई थी, जब आबादी बहुत ही कम थी। 50 साल पूर्व और आज की स्थिति में काफी अंतर आ गया है अब श्रद्धालुओं की संख्या भी बढ़ने लगी है इसलिए उन्होंने विधायक के अलावा सरकार से सीहोर रोड पर कोई उपयुक्त जमीन उपलब्ध कराने की मांग की जहां भव्य झूलेलाल के अलावा राजावीर मंदिर का निर्माण किया जा सके। तेजवानी ने समिति के संरक्षक एवं वरिष्ठ समाज सेवी प्रतापराय तेजवानी के अलावा ईश्वरदास हिमथानी, नरेश चोटरानी, नरेश तोलानी, करण आसवानी, लख्मीचंद नरियानी, सुरेश जसवानी, जेठानंद मूलचंदानी, नारी तनवानी, जानीमल मूलचदानी, मनोहर वीधानी, जानकीदास भारानी, नंदलाल दादलानी आदि का शाल ओढ़कर सम्मान किया जबकि समिति के अन्य पदाधिकारियों ने भी शाल ओढ़कर सम्मान किया।

अपका अहार और उपवास को अपनाकर रोगों से पा सकते है मुक्ति : ठक्कर

आरोग्य केन्द्र में दस दिवसीय रोग निवारण मासिक शिविर का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। आरोग्य केन्द्र द्वारा 5 मार्च से 14 मार्च तक दस दिवसीय रोग निवारण एवं प्रशिक्षण मासिक शिविर का आयोजन किया गया है। इस शिविर हेतु आयोजित एक कार्यक्रम में अहमदाबाद से पधारी धरती बेन ठक्कर द्वारा समस्त साधकों को अपक्वाहार द्वारा स्वास्थ्य लाभ और उपवास के विषय में जानकारी दी गई। धरती बेन ने बताया कि गलत आहार का परिणाम रोग हैं। भोजन के बारे में बताया कि प्रकृति ने हमें समझाया है हमारा सही भोजन क्या है, फल और सब्जियाँ ये ही हमारा जीवन है। ये न्यू डाइट सिस्टम जो है वह तप, सिमरन और सेवा आधारित है। तप सेवा और सिमरन यदि इन तीनों में से एक भी नहीं हैं तो तपस्या अधूरी हैं। रोगी से निरोगी होना बहुत आसान हैं। सुबह जितना उपवास कर सकते हैं उतना उपवास करना है जैसे:- एक घंटा, डेढ़ घंटा या जितना आप कर सकते हैं, जिनको सुबह उठते ही चाय या कॉफी की आदत हैं, उनको यह आदत छोड़नी पड़ेगी यही तप हैं। दिन की शुरूआत ईश्वर की प्रार्थना से करनी चाहिए। शरीर की मुख्य खोराक नींद करना और पेट साफ करना है, जिनका पेट साफ नहीं होता वे काली किशमिश को सुबह भिगोकर रात में सेवन करें। पित, कफ और वायु ये तीनों दोषों का जब हमारे शरीर में संतुलन बिगड़ता हैं एवं हमारा भोजन सही नहीं हैं, तभी हमें कब्ज की बीमारी होती हैं। ऑर्गेनिक अंगूर में इतनी शक्ति हैं कि कोई भी रोग मिटा सकता है जैसे:- किडनी, कैंसर और बी.पी. आदि। हमारे हार्मोन 21 दिन में बनते हैं और 21 दिन में हमारे खून को बदलने की शुरूआत करते हैं। जिन बच्चों को सर्दी जुकाम और खांसी की समस्या होती हैं उनके लिए ऑर्गेनिक अंगूर रामबाण इलाज है।

फसलों को क्षति की भरपाई करेगी भाजपा सरकार: मीणा

भोपाल। बारिश और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के लिए मध्य प्रदेश की भाजपा सरकार क्षतिपूर्ति करेगी भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा के पूर्व मंडल महामंत्री एवं रविवार मोहल्ला सुधार समिति के अध्यक्ष भैया लाल मीणा ने कहा कि भोपाल और आसपास के अनेक किसानों ने हाल ही में हुई वर्षा और ओलावृष्टि से फसलों को हुए नुकसान के बारे में जानकारी दी है भारतीय जनता पार्टी किसान हितेषी है वह वह हुए नुकसान का सर्वे कराकर भरपाई करेगी निज निवास पर आयोजित होली मिलन समारोह में भोपाल और विदिशा के अनेक किसान सम्मिलित हुए और इस अवसर पर किसानों द्वारा फसलों के नुकसान की बात कही भैया लाल मीणा ने कहा कि मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान किसानों की पीड़ा को बखूबी समझते हैं और शासन द्वारा फसलों को हुए नुकसान के लिए जल्द ही मुआवजा दिया जाएगा भैया लाल मीणा ने सभी प्रदेशवासियों को होली की हार्दिक शुभकामनाएं दी

सेवा भारती के बच्चों के साथ मनाया होली का त्योहार

संत हिरदाराम नगर। संत नगर की इंद्रा नगर सेवा बस्ती में मातृभूमि संस्था द्वारा भाजपा जिला उपाध्यक्ष राहुल राजपूत के नेतृत्व में सेवा भारती के बच्चों के साथ होली का त्योहार मनाया गया। बच्चों को पिचकारी, गुलाल व बलून वितरित कर उन्हें होली की शुभकामनाएं दी। फिर बच्चों ने भी रंग गुलाल से एक दूसरे को लगाकर खुशियां मनाई। राहुल राजपूत ने कहा कि वास्तव में त्योहारों की खुशियां जब भी है जब हम उनके बीच पहुँच जाए जो किसी कारण से त्योहार नहीं मना पाते हैं। कार्यक्रम मे संचालिका रीना पोद्दार, उमेश नागर, हेमंत अग्रवाल, किशोर पहलाजानी सहित कई मौजूद थे।

विशेष बच्चों के साथ कांग्रेस विधायक जीतू पटवारी पहुँचे होटल सयाजी(होली के मौक़े पर बच्चों के भोजन के लिए पटवारी ने रखा है विशेष कार्यक्रम।

महापौर ने शिकायतकर्ताओं से फोन लगाकर की चर्चा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

महापौर मालती राय नेमहापौर हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण संबंधी कार्यवाही की समीक्षा की और लंबित शिकायतों को 24 घंटे के अंदर निराकृत करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दूरभाष पर दिये। महापौर राय ने शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर चर्चा की। शिकायतकर्ताओं ने अपनी शिकायतों/समस्याओं के त्वरित एवं संतुष्टिपूर्ण निराकरण पर महापौर के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया। महापौर हेल्पलाइन पर मार्च माह में वर्तमान तक 285 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 275 शिकायतों का त्वरित निदान कर दिया गया है। महापौर मालती राय द्वारा नागरिकों की समस्याओं विशेषकर महिलाओं की शिकायतों/ समस्याओं के निराकरण के दृष्टिगत प्रारंभ की गई महापौर हेल्पलाइन की मंगलवार को स्मार्ट सिटी स्थित कंट्रोल रूम में शिकायतों एवं उनके निराकरण हेतु की गई कार्यवाही की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान महापौर श्रीमती राय ने गत समीक्षा से वर्तमान के मध्य प्राप्त शिकायतों एवं उनके निराकरण की कार्यवाही का कंप्यूटर पर भी अवलोकन किया और अनेक शिकायतकर्ताओं से दूरभाष पर शिकायतों/समस्याओं के निराकरण के संबंध में फीडबैक लिया। महापौर श्रीमती राय ने लंबित शिकायतों के संबंध में संबंधित अधिकारियों से दूरभाष पर चर्चा की और लंबित शिकायतों को 24 घंटे में निराकृत करने के निर्देश दिये।

इस दौरान अनेक शिकायतकर्ताओं ने उनकी शिकायतों के संतुष्टिपूर्ण एवं त्वरित निराकरण की सराहना करते हुए शिकायतों के निराकरण की पहल पर महापौर श्रीमती राय के प्रति धन्यवाद भी ज्ञापित किया। समीक्षा के दौरान महापौर को अवगत कराया गया कि महापौर हेल्पलाइन पर माह मार्च में वर्तमान तक 285 शिकायतें प्राप्त हुई जिनमें से 275 शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं त्वरित गति से निराकरण कर दिया गया है।

प्रसन्न रहना हमारी स्वयं की जिम्मेदारी है:मनीषा आनंद

संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय में महिला दिवस पर परिचर्चा का आयोजन

संत हिरदाराम नगर। संत हिरदाराम कन्या महाविद्यालय के महिला प्रकोष्ठ द्वारा लिटरेरी कमेटी, राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई एवं संत हिरदाराम ओल्ड गर्ल्स एसोसिएशन के संयुक्त तत्वावधान में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में मनीषा आनंद, एकेडमिक एवं कॉरपोरेट ट्रेनर, महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला परियोजना अधिकारी मृदुल मालवीय, पर्यवेक्षक लीना थानथराटे, महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी, पूर्व छात्राएं एवं समस्त महाविद्यालयीन सदस्य उपस्थित थे।

महाविद्यालय की प्राचार्य डॉ डालिमा पारवानी ने महिला दिवस और होली की प्रासंगिकता पर बात करते हुए कहा कि सभी के जीवन को रंगमय बनाने में नारी की अहम भूमिका है। नारी स्वयंसिद्धा है और उसकी अपनी स्वयं की पहचान है। नारी साहस और आत्मविश्वास का पर्याय है। मनीषा आनंद ने स्वयं से प्रेम करने की बात कहते हुए कहा कि सशक्तिकरण की शुरुआत स्वयं की देखभाल से शुरू होती हैं। उन्होंने कहा कि महिला और पुरुष के स्वयं के अपने विशिष्ट गुण होते है। उन्होंने कहा कि प्रसन्न रहना हमारी स्वयं की जिम्मेदारी है। महाविद्यालय की लिटरेरी कमेटी की छात्राओं कु शेमा महफूज, कु हिबा मरियम, कु नौशीन अहमद, कु प्रिंसी पहलवानी, कु नेहा अच्छरा, कु भूमिका पंवार, कु अनुष्का दुबे, कु जान्हवी साहिबानी ने विशाखा गाइडलाइंस सहित कार्यस्थल पर महिलाओं के साथ होने वाले यौन उत्पीडन, उसके रोकथाम, निषेध और निवारण पर आंकड़ों एवं उदाहरणों सहित प्रभावी ढंग से बात की।

Web Designing in PHP विषय पर 50 घंटों का प्रशिक्षण प्रारंभ

छिंदवाड़ा । राजमाता सिंधिया शासकीय स्नातकोत्तर कन्या महाविद्यालय, छिंदवाड़ा (म.प्र.) में प्राचार्य डॉ. अजरा एजाज के मार्गदर्शन में स्वामी विवेकानंद कैरियर मार्गदर्शन प्रकोष्ठ द्वारा अलपावधि रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण के अंतर्गत Web Designing in PHP विषय पर 50 घंटों का प्रशिक्षण कार्यक्रम दिनांक 06/03/2023 से प्रारंभ किया गया। कैरियर प्रकोष्ठ प्रभारी प्रो. बिंदिया महोबिया ने बताया कि उच्च शिक्षा विभाग भोपाल से प्राप्त आवंटन के आधार पर यह प्रशिक्षण करवाया जा रहा है जिसमें विषय विशेषज्ञ के रूप में एन.आई.आई.टी. फाउण्डेशन, छिंदवाड़ा के डायरेक्टर श्री अभिनीत दुबे एवं प्रशिक्षक श्री कनेरसिंग ठाकुर द्वारा लगभग 100 छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है। प्रशिक्षण कार्यक्रम के सफल संचालन में कम्प्यूटर एप्लीकेशन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. महिम चतुर्वेदी, श्रीमती तपस्या पांडे, श्रीमती रूपशिखा भार्गव, श्री मुकेश दोडके, श्री रवि पवार, कैरियर प्रकोष्ठ समिति सदस्य डॉ. संकेत कुमार चौकसे, डॉ. मनिन्दर सिंह भाटिया, डॉ. सुदीश कुमार सूर्यवंशी एवं श्री गुलशन बेग का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

तीन शराबी चालक बाइक चलाते हुए धराए

अमरवाड़ा । त्योहारों के मद्देनजर पुलिस द्वारा सघन जांच एवं गस्त प्रारंभ है इसी दरमियान बस स्टैंड मेन रोड में शराब पीकर वाहन चलाते हुए तीन बाइक चालकों को नशे की हालत में वाहन चलाते हुए पुलिस ने धर दबोचा बताया जाता है कि जसवंत निवासी दीघाबानी, गंगा प्रसाद अमरवाड़ा, अनिल यादव चंदन गांव छिंदवाड़ा, के रहने वाले शराब के नशे में वाहन चलाते हुए नगर निरीक्षक मोहन सिंह कॉलेज एवं स्टाफ में नशे की हालत में वाहन चलाते हुए धर दबोचा आरोपियों के विरुद्ध मोटर व्हीकल एक्ट मोटर व्हीकल एक्ट की धारा 185 में प्रकरण पंजीबद्ध कर बाइकों को जप्त कर लिया गया है इनका जब्त वाहन अदालत से ही छूटेगा इस कार्रवाई से शराब पीकर वाहन चलाने वाले वाहन चालकों पर हड़कंप व्याप्त है।

ग्रामों में अवैध शराब बेचने वालों पर की गई कार्रवाई

अमरवाड़ा । पुलिस द्वारा नगर एवं ग्राम में अवैध शराब धरपकड़ के अंतर्गत पुलिस द्वारा ग्राम सुखरी मैं रिंकू वर्मा के पास से और ग्राम हींग पानी में विनोद पिपरिया राजगुरु अरविंद उईके, ग्राम नंदूरा मे बुद्धू बंजारा धनीराम राठौर सिंगोडी के कतीता ढाना में सरजू नाथ, गढा छोटा के नारायण, बाबई के पप्पू साहू के पास से पुलिस द्वारा अवैध रूप से स्टार्ट कर देसी महुआ की शराब बेचते हुए धर दबोचा गया सभी आरोपियों के विरुद्ध आबकारी अधिनियम 34 ए मैं मामला पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया

हनुमान जी की पूजा कर कांग्रेस ने रतलाम की घटना पर जताया विरोध

अमरवाड़ा । बीते दिवस प्रदेश के रतलाम मैं तेरहवीं जूनियर मिस्टर इंडिया 2023 नेशनल बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप के दौरान कार्यक्रम में अश्लीलता एवं हिंदू धर्म की संस्कृति का भाजपा विधायक चेतन कश्यप एवं महापौर पहलाद पटेल द्वारा खुलेआम अपमान किए जाने को लेकर नगर कांग्रेस कमेटी ने मंगलवार दोपहर पुलिस थाने के सामने स्थित दाऊ हनुमान मंदिर में बजरंगबली की पूजा अर्चना कर भाजपा नेताओं के विरुद्ध विरोध प्रदर्शन किया उल्लेखनीय है कि रतलाम में बॉडीबिल्डिंग चैंपियनशिप मैं मंच पर 5 फीट की हनुमान जी की प्रतिमा के सामने महिला प्रतियोगीओ ने टू पीस कॉस्टयूम एवं सैंडल पहनकर शरीर सौष्ठव प्रदर्शन किया इस दौरान विरोध प्रदर्शन करते हुए कांग्रेस के नेताओं ने कहा कि रतलाम के भाजपा विधायक चेतन कश्यप और महापौर प्रहलाद पटेल द्वारा करवाए गए इस आयोजन में सनातन धर्म के आराध्य देव हनुमानजी की प्रतिमा के सामने जो अश्लीलता की गई है वह निंदनीय है यह भारतीय संस्कृति का अपमान है इस घटना से भाजपा का चाल और चरित्र उजागर हो गया है इस मौके पर विधायक प्रतिनिधि दीपक नेमा नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष विनोद चौरसिया कार्यवाहक अध्यक्ष सुरेश साहू पार्षद राजेश अहिरवार अर्पित लाला सांसद प्रतिनिधि अतुल यादव ओमी नेमा संजय खुराना युवा कांग्रेस के क्षेत्रीय अध्यक्ष अनुज विश्वकर्मा अनुसूचित जाति के अध्यक्ष राजकुमार अहिरवार युवा कांग्रेस के अभय चौरसिया साकेत राय हर्षद साहू सअन्य कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

बाइक सवारों को टक्कर मारी दो की मौत दो घायल

छिंदवाड़ा। रंगो का त्यौहार होली जिले में धूमधाम से मनाया गया इस दिन रंग गुलाल लगाकर लोगों ने खूब मौज मस्ती की। वहीं लापरवाही ने दो घरों के चिराग छीन लिए पांढुर्ना में सड़क दुर्घटना में फिर दो युवकों की मौत हो गई धुरेड़ी के दिन यह घटना पांढुर्ना- अमरवती स्टेट हाईवे में एक फैक्ट्री के पास घटित हुई एक अज्ञात वाहन बाईक सवारों को टक्कर मारकर फरार हो गया एक ही बाईक में होली के रंगों की मस्ती में चार युवक अपने दोस्तों को रंग लगाने जा रहे थे कि हाईवे क्रॉस करते समय तेज गति से आ रहे वाहन की चपेट में आ गए घटना के बाद वाहन चालक फरार हो गया इसमें दो युवकों की घटना स्थल पर मौत हो गई दो गंभीर रूप से घायल हैं जिन्हें उपचार के लिए नागपुर रेफर किया गया है। पुलिस फरार वाहन की तलाश कर रही है। प्राप्त जानकारी के अनुसार होली के दूसरे दिन पांढुर्ना के संतोषी माता और मेघनाद वार्ड निवासी रूपेश पिता विकास बारंगे, बैभव पिता राजकुमार वानखेड़े, आकाश और समीर जो 18 से 19 वर्ष के हैं होली की मस्ती में एक ही बाइक सवार में घूम रहे थे। घटना में रूपेश बारंगे और वैभव वानखेड़े की घटना स्थल पर मौत हो गई और आकाश और समीर घायल हो गए। इस घटना से क्षेत्र में मातम का माहौल रहा टीआई राकेश बघेल ने बताया कि मृत युवकों के शव को पीएम के बाद परिजनों को सौंप दिया गया है घायल दो युवकों का इलाज नागपुर में चल रहा है।

नगर निगम अमले द्वारा चिन्हांकित किए बकायदारों से राजस्व वसूली की गई

छिंदवाड़ा। नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह द्वारा बैठक में दिए निर्देश के पालन में निगम का राजस्व अमला इन दिनों कर वसूली हेतु अथक प्रयास कर रहा है। राजस्व अमले द्वारा चिन्हांकित किए बकायदारों को डिमांड नोटिस जारी करने के बाद समय सीमा समाप्त होने पर कुर्की वारंट जारी किए गए। ऐसे ही एक प्रॉपर्टी पर जारी कुर्क वारंट की समय सीमा समाप्त होने पर निगमायुक्त राहुल सिंह के आदेश पर प्रभारी राजस्व अधिकारी साजिद खान के नेतृत्व में दल खजरी रोड स्थित संपत्ति पर पहुंचा। राजस्व दल संपत्ति को कुर्क करता इसके पूर्व ही भवन स्वामी द्वारा समझौता करने का निवेदन किया गया जिसके अनुसार भावनस्वामी द्वारा अधिरोपित कर राशि 50,000/- का भुगतान भावनस्वामी द्वारा स्थल पर ही कर दिया गया। इसके पश्चात शनिचरा बाजार स्थित एक भवन स्वामी द्वारा 15,000/- राशि का भुगतान दल को किया गया। निगमायुक्त के आदेश पर डिमांड नोटिस के बाद जिन संपत्तियों पर वारंट जारी हुए है क्रमानुसार उन पर कुर्की की कार्यवाही की जाएगी। कार्यवाही में प्रभारी राजस्व अधिकारी साजिद खान, वार्ड प्रभारी धर्मेंद्र माहोरे, शेखर पटेल, ऋषभ स्थापक, मनोज पवार, सहायक राजस्व निरीक्षक मोतीराम मोहतुरे, सुनील चौधरी, दुर्गेश रघुवंशी, विशाल पोफली, सिद्धार्थ पवार उपस्थित रहे।

सीमाकंन व बंटवारा करने, अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने की मांग

जनसुनवाई - कलेक्ट्रेट में सुनी गई 378 आवेदकों की समस्याएं

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले के मार्गनिर्देशन में आज मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हरेन्द्र नारायण ने जनसुनवाई कार्यक्रम के अंतर्गत कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में आयोजित जनसुनवाई में 378 आवेदकों की समस्यायें सुनी । इस दौरान जिले के शहरी और ग्रामीण, दूरस्थ अंचलों से आये आवेदकों ने सामूहिक और व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपनी समस्याओं के निराकरण के लिये आवेदन प्रस्तुत किये जिनकी उन्होंने पूरी संवेदनशीलता के साथ अपने समक्ष में बैठाकर सुनवाई की । आज जनसुनवाई में मुख्य रूप से सीमाकंन व बंटवारा करने, अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, सड़क निर्माण करने, भूमि का कब्जा दिलाने, आवासीय व वनाधिकार पट्टा प्रदाय करने, आर्थिक सहायता व अनुग्रह राशि दिलाने, पेंशन दिलाने, आधार कार्ड बनाने, स्थानांतरण निरस्त करने, टी.सी. दिलाने आदि से संबंधित आवेदन प्राप्त हुये। जनसुनवाई के दौरान आवेदकों के बैठने की व्यवस्था भी की गई थी । मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री नारायण ने विभिन्न आवेदनों में तत्काल प्रकरण नोट कराते हुए तत्परता के साथ निराकरण करने के निर्देश दिये। उन्होंने कई प्रकरणों को समय सीमा की बैठक में समीक्षा के लिये भी चिन्हांकित किया । जनसुनवाई कार्यक्रम में ग्राम पाठाढाना के ग्रामवासियों ने ग्राम में बिजली उपलब्ध कराने, रोड निर्माण कराने व माइक्रो सिंचाई के लिये माचागोरा डेम से पानी उपलब्ध कराने, श्री ग्राम गढ़मऊ के श्री रविशंकर विश्वकर्मा ने खेत में लगे सागौन के वृक्ष आंधी तूफान से गिरने पर उपयोग में लाये जाने की अनुमति देने, ग्राम पिपरिया भारती की सुश्री नंदिनी ने स्नातक तृतीय वर्ष की छात्रवृत्ति दिलाने, ग्राम पाण्डुपिपरिया के श्री दिनेश ने नक्शा में सुधार करने व श्री शंकरलाल परतेती ने शासकीय भूमि का पट्टा देने, ग्राम उभेगांव के श्री महेश मर्सकोले ने जीपीएफ व वसूली की राशि दिलाने, छिंदवाड़ा नगर की श्रीमती पूनम पवार ने विधवा पेंशन राशि दिलाने, श्री देवपाल डेहरिया ने सेवानिवृत्ति के बाद पेंशन दिलाने व वार्ड क्रमांक-35 के वार्डवासियों ने अतिक्रमण हटाने, ग्राम उल्हावाड़ी के श्री विशाल मर्सकोले व जुन्नारदेव की श्रीमती मोनिका मानेकर ने अनुकंपा नियुक्ति दिलाने, ग्राम चारगांव की श्रीमती अनुसुईया ने नल जल योजना का कार्य पूर्ण कराने, ग्राम कोडामऊ के श्री प्रकाश धारे ने मुख्यमंत्री प्रसूति सहायता योजना की राशि दिलाने, परासिया की श्रीमती अंजनी श्रीवास्तव ने जन्म प्रमाण पत्र बनाने, ग्राम हिवरावासुदेव की श्रीमती बबीता विश्वकर्मा ने संबल योजना के अंतर्गत अनुग्रह राशि दिलाने आदि के आवेदन प्रस्तुत किये। इस दौरान कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में संयुक्त कलेक्टर श्री अजीत तिर्की सहित विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय और संबंधित अधिकारियों द्वारा भी आवेदनों पर सुनवाई की गई, जबकि अन्य सभी

सामूहिक विवाह आयोजन की तैयारियों एवं लाडली बहना योजना कार्य की प्रगति की समीक्षा की

छिंदवाड़ा । नगर निगम आयुक्त राहुल सिंह ने मंगलवार दिनांक 07 मार्च को नगर निगम समय सीमा की बैठक निगम सभा कक्ष में ली।आयुक्त ने बैठक में मुख्यमंत्री कन्या विवाह/निकाह योजना अंतर्गत दिनांक 13 मार्च को होने वाले सामूहिक विवाह आयोजन हेतु की जाने वाली तैयारियों की समीक्षा की तथा इस संबंध में विभिन्न अधिकारियों कर्मचारियों को सौंपे गए कार्यों और जिम्मेदारियों के बारे में ज़रूरी निर्देश दिए।आयुक्त ने सभी व्यवस्थाओं की एडवांस व्यवस्थाएं करने के सख्त निर्देश दिए और कहा कि समारोह में लगने वाली सभी सामग्री संबंधित व्यक्ति विवाह स्थल पर समय पर उपलब्ध कराना सुनिश्चित कराएँगे।आयुक्त ने सभी कार्य प्रभारियों को आयोजन स्थल पर वायरलेस सिस्टम के माध्यम से परस्पर संपर्क में रहने केनिर्देश दिए।आयुक्त ने कर्मचारियों को निर्देश दिए कि वे समारोह स्थल पर पंडाल, पेयजल, नाश्ता, भोजन, वीडियो ग्राफी, फोटाग्राफी, वर-वधू के रुकने के स्थान की समुचित व्यस्थाएँ करें,साथ ही सभी जगहों पर अग्नि शमन व्यवस्थाएँ भी सुनिश्चित कराएं।आयुक्त ने चेकलिस्ट बनाकर काम करने के निर्देश दिए और कहा कि समारोह के आमंत्रण पत्र,प्रमाण पत्र तथा वर वधू के टोकन प्रिंटिंग एवं वितरण के कार्य समय पर एवं ठीक तरह से किए जाएं साथ ही कहा कि वर वधू को दी जाने वाली उपहार सामग्री के भंडारण एवम उनकी समारोह स्थल पर उपलब्धता व उनके वितरण कार्य में कोई त्रुटि नही होना चाहिए।कार्यक्रम स्थल पर विद्युत एवं साउंड- माइक सिस्टम में किसी प्रकार का व्यवधान नहीं आने के लिए भी अधिकारियों को निर्देशित किया। इसके अलावा निगम आयुक्त ने निगम की राजस्व एवम जलकर वसूली की साप्ताहिक स्थिति की भी समीक्षा करते हुए कहा कि वसूली के काम में और तेजी लाई जाए तथा हर हाल में मार्च समाप्ति तक दोनों ही करों का वार्षिक लक्ष्य पूरा किया जाए। आयुक्त ने निगम की दुकानों के रेंट तथा लीज़ राशि की वसूली की स्थिति सहित कॉलोनी,भवन अनुज्ञा परमिशन के कार्यों के साथ लाडली बहना योजना कार्य की प्रगति की भी समीक्षा की।

सभी विकासखंडों में पशु बांझ निवारण शिविरों का आयोजन

छिन्दवाड़ा । कलेक्टर श्रीमती शीतला पटले और मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री हरेन्द्र नारायण के मार्गनिर्देशन में पशुपालन एवं डेयरी विभाग द्वारा जिले के सभी 11 विकासखण्डो में मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के अंतर्गत पशु बांझ निवारण शिविर का आयोजन किया गया है । इन शिविरों की तिथियां सभी विकासखंडों में संबंधित विकासखंड के पशु चिकित्सा विस्तार अधिकारियों द्वारा निर्धारित कर शिविर लगायें जायेंगे और प्रथम शिविर के 21 दिन बाद उसी जगह पर अनुसरण शिविर लगाया जाकर बांझ पशुओ का उपचार किया जायेगा ।

उप संचालक पशु चिकित्सा एवं डेयरी डॉ.एच.जी.एस.पक्षवार ने बताया कि मुख्यमंत्री पशुपालन विकास योजना के अंतर्गत प्रति विकासखण्ड दो शिविर मुख्य शिविर और व्दितीय अनुसरण शिविर लगाकर बांझ पशुओं का उपचार किया जायेगा। इन शिविरों के माध्यम से पशु उपचार, टीकाकरण, बधियाकरण, कृत्रिम गर्भाधान, गर्भ जांच, शल्य क्रिया और औषधि का वितरण करने के साथ ही विभागीय योजनाओं का प्रचार-प्रसार किया जायेगा। उन्होंने बताया कि उन्नत नस्ल का उत्पादन और अधिक दुग्ध उत्पादन करने के उद्देश्य से ये शिविर आयोजित किये जा रहे हैं ।

जुनारदेव विकासखंड के पूर्व भ्रष्ट बीआरसी को बीईओ बनाने की जुगत लगा रहे अधिकारी

कलेक्टर को गुमराह करके नाम प्रस्तावित किया गया

सतपुड़ा एक्सप्रेस छिंदवाड़ाभ्रष्टाचार का गढ़ रहा जुन्नारदेव विकासखंड का बीआरसी एवं बी ई ओ कार्यालय हमेशा से सुर्खियों में रहा है अनियमितताओं के चलते विकास खंड शिक्षा अधिकारी को हटाने के बाद रिक्त हुए पद पर, जुन्नारदेव में ही बीआरसी के पद पर पदस्थ रहे ओ पी जोशी को राज्य शासन ने अनियमितताओं की शिकायत के चलते उनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए हटाने के निर्देश जारी किए थे मलाईदार पद में पदस्थ रहे साहब पुनः बी ई ओ बनने की जुगाड़ लगा रहे हैं जनजाति कार्य विभाग बीआरसी रहे ओ पी जोशी की प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए वर्तमान मैं तामिया विकासखंड के एक स्कूल में हेडमास्टर के पद पर पदस्थ किया है ताज्जुब तो ये है कि हेड मास्टर को बी ई ओ बनाने का शासन का कोई नियम ही नहीं है, मगर हमेशा से अधिकारियों से सांठगांठ करके मलाईदार पदों में रहे पूर्व बीआरसी ओ पी जोशी अधिकारियों को पैसा खिलाकर बी ई ओ बनने की जुगाड़ लगा रहे हैं हालांकि इस हेड मास्टर की विवादित कार्यप्रणाली के चलते इनको बीआरसी पद से हटाया गया था ।

कलेक्टर महोदया को भी किया गया गुमराहबताया जाता है कि इस विवादित हेड मास्टर की फाइल कलेक्टर महोदय के पास भी गई है जिसमें अधिकारियों ने कलेक्टर को गुमराह करते हुए इन तमाम तथ्यों को प्रकरण में पेश ही नहीं किया है । क्योकि इनके सारे घपले पिछले कलेक्टर के कार्य काल के हैं, इसलिए नवागत कलेक्टर महोदया इनके कारनामों से परिचित नहीं है । कलेक्टर महोदया से इस तथ्य को भी छुपाया गया है कि बहुत अधिक शिकायतें होने के कारण और जांच में पुष्टि पाए जाने के बाद राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा इनको पूर्व में बी आर सी पद से हटा दिया गया था एवं इनकी प्रतिनियुक्ति समाप्त करते हुए इनको मूल पद पर वापस भेज दिया गया था जो कि शिक्षक का था परंतु वहां भी यह अपनी जुगाड़ करके हेड मास्टर के पद पर काबिज हो गए ।

कवियों ने राजनेताओं पर किए कटाक्ष, देशभक्ति की धारा भी बही

छिंदवाड़ा में होली पर आयोजित कवि सम्मेलन में कवियों ने अपनी रचनाओं से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया. कवियों ने जहां राजनेताओं पर व्यंग्य कसे तो वहीं देशभक्ति की रचनाएं भी सुनाईं. श्री सुगम मानस मंडल छिंदवाड़ा का 68वां कवि सम्मेलन का आयोजन शानदार रहा. छिंदवाड़ा के दशहरा मैदान में आयोजित इस कार्यक्रम देशभर से आए कवियों ने शानदार रचनाएं सुनाईं. देश की राजनीति समेत अन्य मुद्दों पर जमकर कवियों ने कटाक्ष किए. यह कवि सम्मेलन हर साल धुरेंडी के दिन किया जाता है. हजारों की संख्या में दर्शक कवि सम्मेलन का आनंद लेने के लिए पहुंचते हैं. देर रात तक कवि सम्मेलन चलता है. कवि सम्मेलन में अरुण जैमिनी दिल्ली से, विनीत चौहान अलवर राजस्थान से, रामेंद्र त्रिपाठी आगरा उत्तर प्रदेश से, पूनम वर्मा मथुरा उत्तर प्रदेश से, सुनील व्यास मुंबई महाराष्ट्र से,पार्थ नवीन प्रतापगढ़ राजस्थान से आए. जिन्होंने पूरे कार्यक्रम में समां बांध दिया. कवियों ने वर्तमान समय में चल रही राजनीतिक घटनाक्रमों पर कटाक्ष किए. वहीं देशभक्ति को लेकर रचनाएं सुनाई

चित्रकूट एक्सप्रेस लखनऊ जबलपुर को छिंदवाड़ा तक बढ़ाया जावे : कपूर

छिंदवाड़ा में पीट लाइन वाशिंग यार्ड बनाया जावे

छिंदवाड़ा । भाजपा नेता अरुण कपूर ने रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव को पत्र लिखकर मांग की है कि छिंदवाड़ा की महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशन है जो नागपुर के पास है यहां कई गाड़ियों का आवागमन होगा इसलिए यहां पर पीठ लाइन या ने वाशिंग यार्ड खोलने की मांग की है, जिसे नागपुर जबलपुर आमला में खड़ी होने वाली रेलगाड़ी है छिंदवाड़ा में सफाई हो सके जिससे कई ट्रेनों का आवागमन छिंदवाड़ा से होगा। श्री कपूर ने चित्रकूट एक्सप्रेस जो लखनऊ से जबलपुर चलती थी उस से छिंदवाड़ा तक करने की मांग की है क्योंकि आज ट्रेन दिनभर जबलपुर में खड़ी रहती है।

उन्होंने सिवनी बालाघाट के सांसद ढाल सिंह बिसेन को बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने यहां ट्रेन से चालू तक करवा दी थी जो जबलपुर से नैनपुर-सिवनी होते हुए छिंदवाड़ा आती और जाती उसको रेलवे ने टाइमटेबल में भी जारी कर दिया किंतु रेलवे ने ही इसे रुकवा दिया है।

श्री कपूर ने कहा कि चित्रकूट एक्सप्रेस प्रारंभ होने से सीधा चित्रकूट धाम एवं लखनऊ से संबंध जुड़ जाता है पता उन्होंने से प्रारंभ करने की मांग की है।

रंग बरसे भीगे चुनर होली गीत गाकर जमकर थिरके जनप्रतिनिधि

अमरवाड़ा। नगर में मुख्य चौराहा फवारा चौक पर अमरवाड़ा के गणमान्य नागरिक जनप्रतिनिधि एवं समस्त नगर वासियों ने होली के मिलन समारोह का आयोजन किया गया। एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की शुभकामनाएं दी और रंग बरसे भीगे चुनर वाली होली के गीत सहित तमाम होली के गीतों पर जमकर एक दूसरे ने लुफ्त उठाया। अच्छे-अच्छे चुटकुले के बाद हास्य कवियों दोहे एवं गजल शायरी सुनाकर सबको मंत्रमुग्ध कर दिया। होली के अवसर नगर पर तमाम छोटे-छोटे बच्चों ने भी एक दूसरे को गुलाल लगाकर हर उल्लास के साथ खुशियों से पर्व मनाया।

रैलिंग से टकराकर दो बाइक सवारों की मौत एक घायल

छिंदवाड़ा । नागपुर नेशनल हाइवे में साईंखेड़ा पाटी के निकट हाइवे किनारे लगी लोहे की रैलिंग से टकराकर दो बाईक सवारों की मौता हो गई और तीसरा घायल हो गया। घटना मंगलवार के सुबह की है। जानकारी के अनुसार बोथिया गांव के तीन युवक सुरेश सवई, आशीष चेतराम राउत और दुर्गेश चिंदबाजी भलावी होली त्यौहा के चलते पास के ही गांव में शराब पीने गए थे शराब का नशा करने के बाद तीनों वापस अपने गांव बोथिया लौट रहे थे कि उनकी तेज रफ्तार बाईक साईंखेड़ा के पास हाइवे के किनारे लगी लोहे की रेलिंग से टकरा गई बाइक इतनी तेज गति में थी कि बाइक चला रहे सुरेश सवाई और पीछे बैठे आशीष राउत की घटना स्थल पर मौत हो गई तीसरा युवक दुर्गेश गंभीर रूप से घायल हो गया तीनों को तत्काल कोई मदद नहीं मिल पाई सूचना पर पुलिस के पहुंचने तक बहुत देर हो चुकी थी बड़चिचोली पुलिस घटना की विवेचना कर रही है।

केन्द्रीय विद्यालयक्रमांक-एक की महिला सहकर्मियों का किया गया सम्मान और अभिनन्दन

छिन्दवाड़ा । केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक-एक छिंदवाड़ा में प्राचार्य हरि प्रसाद धारकर की अध्यक्षता में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस-2023 की पूर्व संध्या पर अभिनंदन समारोह संपन्न हुआ। समारोह में विद्यालय की नियमित व अंशकालिक शिक्षिकाओं सहित दैनिक वेतन भोगी के रूप में कार्य करने वाली सभी 42 महिला सहकर्मियों का सम्मान और अभिनन्दन किया गया । इस अवसर पर प्राचार्य श्री धारकर ने कहा कि हमारी संस्कृति में महिलाओं को सर्वोच्च स्थान प्राप्त है। हम महिलाओं की माता दुर्गा के रूप में पूजा करते हैं। उन्होंने सभी का आह्वान किया की किसी भी परिस्थिति में बाजार की ताकतों के प्रभाव में आकर महिलाओं को अपनी गरिमा और सम्मान के साथ समझौता नहीं करना चाहिये। महिलाओं को केवल ऊपरी दिखावे के स्थान पर अपने विचारों से आधुनिक बनना चाहिये। उन्होंने कहा कि हम अपने बच्चों में महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना विकसित करें। किसी भी परिस्थिति में महिलाओं के प्रति किए जाने वाले दुर्व्यवहार के प्रति शून्य सहनशीलता की भावना होना चाहिये। उप प्राचार्य देवेन्द्र तिवारी ने नारी-शक्ति और समाज के संबंधों को रेखांकित करते हुए विद्यालय के कार्यों में सभी महिला कर्मियों के समर्पण और सहयोग के प्रति आभार प्रकट किया । इस दौरान विद्यालय परिवार ने अपने भावों और सम्मान को प्रस्तुत करने के लिए सभी महिला सहकर्मियों को अभिनन्दन उपहार भेंट किये ।

स्वच्छता अभियान चलाकर लिया स्वच्छ शहर बनाने का संकल्प

छिंदवाड़ा स्वच्छता के लिए बढ़ाया गया आपका एक कदम छिंदवाड़ा नगर को इस वर्ष स्वच्छ सर्वेक्षण 2023 में स्वच्छता में अग्रणी शहरों ला सकता है उक्त स्वच्छता का संदेश गुरुवार को सिद्धि विनायक नगर वार्ड नंबर 10में नगर निगम के स्वच्छता ब्रांड एम्बेसडर विनोद तिवारी ने स्वच्छता शपथ दिलाते हुए उपस्थित लोगो से कहा ।स्वच्छता जागरूकता कार्यक्रम जन अभियान परिषद की सिद्धि विनायक नगर विकास समिति नवांकुर संस्था बहुउद्देशीय शैक्षणिक विकास समिति छिन्दवाड़ा के पदाधिकारी मेंबर्स उपस्थित थे ।

न्यायालय तहसीलदार वृत्त - 3 तहसील - हुजूर जिला भोपाल

प्रकरण क्रमांक 6392/अ-16 / 2022-23
मौजा- नीलबड तहसील हुजूर भोपाल

उद्घोषणा पत्र

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक श्री महेश पटेल पुत्र श्री मथुरा लाल पटेल निवासी ग्राम नीलबड, तहसील हुजूर जिला भोपाल म.प्र. द्वारा म.प्र.भू.रा. संहिता 1959 की धारा 109, 110 के तहत आवेदन पत्र प्रस्तुत कर रजिस्टर्ड विकय पत्र दस्तावेज कमांक ई पंजीयन क्रमाक 950 (1) दिनांक 17.7.09 के आधार पर क्रय की गई भूमि खसरा क्रमांक 476, 489, 564/477, 567 / 489, 565/477. 565/ 447.566 / 490 कुल रकवा 7.56 एकड़ स्थित ग्राम नीलबड प.ह.न. 51 तहसील हुजूर जिला भोपाल का नामांतरण राजस्व अभिलेखों में आवेदक के नाम स्वीकृत किए जाने का अनुरोध किया गया है जिसका प्रकरण इस न्यायालय में विचाराधीन है ।

2- उक्त संबंध में किसी व्यक्ति / संस्था को कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्ति स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से प्रकरण में नियत पेशी दिनांक 15.03.2023 को था इससे पूर्व इस न्यायालय में उपस्थित होकर पेश कर सकता है। समयावधि पश्चात् प्रस्तुत किसी भी आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा ।

उक्त उद्घोषणा पत्र मेरे द्वारा न्यायालय की पदमुद्रा एवं मेरे हस्ताक्षर से आज दिनांक 06.03. 2023 को जारी किया गया ।

तहसीलदार
तहसील हुजूर भोपाल

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने स्व. माधवराव सिंधिया को उनकी जयंती पर उनके चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया।

प्रदेश भाजपा कार्यालय भोपाल में कैला वासी माधवराव सिंधिया जी की जयंती पर पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। सर्वप्रथम प्रदेश भाजपा महामंत्री एवं कार्यालय प्रभारी भगवानदास सबनानी ने पुष्पांजलि अर्पित करते हुए कैलाश वासी माधवराव सिंधिया के जीवन पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर अल्पसंख्यक मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष शाहवर आलम, भाजपा नेता धर्मेंद्र गोस्वामी, विजय कुमार खत्री, राहुल जैन, लोकेंद्र तिवारी, श्याम मीणा, जसवंत सिंह, याहया खान, शादाब खान, वसीम अंसारी, बबलू खान, आदि सहित भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में स्व. माधवराव सिंधिया को उनकी जयंती पर नमन किया गया।

करों के संग्रहण में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में

भोपाल। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा है कि वित्त वर्ष का आखिरी माह विभिन्न करों के संग्रहण की दृष्टि से महत्वपूर्ण है। विभागों ने बीते वर्ष से अधिक कर संग्रहण किया है। वित्त वर्ष के पूर्ण होने पर बेहतर उपलब्धि प्राप्त हो, इसके लिए इस माह प्रयासों को बढ़ाएँ। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने आज समत्व भवन के संकल्प कक्ष में राजस्व संग्रहण करने वाले विभागों के कार्य और लक्ष्य प्राप्ति प्रयासों की समीक्षा की। मुख्य सचिव श्री इकबाल सिंह बैंस सहित विभागों के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित थे। वित्त मंत्री श्री जगदीश देवड़ा वर्चुअल शामिल हुए।

श्री चौहान ने राज्य में वेट, जीएसटी सहित आबकारी, स्टाम्प पंजीयन, खनिज, परिवहन, ऊर्जा, वन, लोक सम्पत्ति प्रबंधन, राजस्व, जल-संसाधन एवं नर्मदा घाटी विकास विभाग द्वारा करों के संग्रहण के लिए अब तक किए गए कार्य की जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री श्री चौहान ने निर्देश दिए कि जिन करों की अपेक्षित प्राप्ति में कमी हो, वे विभाग आवश्यकतानुसार अभियान संचालित कर निर्धारित लक्ष्य प्राप्त करें। बताया गया कि करों के संग्रहण में मध्यप्रदेश, देश के अग्रणी राज्यों में है। प्रदेश में व्यापार उद्योग जगत और आमजन में करों के नियमित भुगतान करने की प्रवृत्ति विकसित हुई है। करों से प्राप्त राशि का बड़ा हिस्सा जन-कल्याण में खर्च होता है।

सतीश कौशिक के शव का हुआ पोस्टमार्टम, रिपोर्ट में हुआ ये खुलासा

मुम्बई। अंतिम संस्कार से पहले सतीश कौशिश का पोस्टमार्ट किया गया. अब सतीश के शव की पोस्ट मार्टम रिपोर्ट सामने आ गई है, जिसमें उनकी मौत के कारण का खुलासा किया गया है।

न्यूज एजेंसी एएनआई के ऑफिशियल ट्विटर हैंडल पर सतीश कौशिक की पोस्टमार्टम रिपोर्ट को लेकर एक पोस्ट शेयर किया गया है जिसमें बताया कि एक्टर का पोस्टमार्टम हो चुका है. प्रारंभिक रिपोर्ट में उनके शरीर पर चोट के कोई भी निशान नहीं मिले हैं. रिपोर्ट्स में कार्डियक अरेस्ट को एक्टर की मौत का कारण बताया गया है।

अनुपम खेर ने सतीश के निधन पर किया ये ट्वीट

अनुपम खेर ने सतीश कौशिक के निधन पर ट्वीट करते हुए लिखा, 'मुझे पता है कि मृत्यु अंतिम सत्य है, लेकिन मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मुझे अपने सबसे अच्छे दोस्त सतीश कौशिक के बारे में यह लिखना होगा. दोस्ती के 45 साल पूरे होने पर अचानक पूर्ण विराम. तुम्हारे बिना जीवन पहले जैसा नहीं रहेगा सतीश. शांति'।

रास्ते में आया हार्ट अटैक

न्यूज एजेंसी पीटीआई के साथ बातचीत में अनुपम खेर ने बताया कि सतीश को हॉस्पिटल ले जाने के दौरान रास्ते में हार्ट अटैक आया था. उन्होंने कहा कि 'सतीश कौशिक असहज महसूस कर रहे थे. उन्होंने अपने ड्राइवर से हॉस्पिटल ले जाने के लिए कहा और रास्ते में ही तकरीबन एक बजे उन्हें दिल का दौरा पड़ा'. रिपोर्ट्स के अनुसार, सतीश कौशिका का पार्थिव शरीर मुंबई के लिए रवाना हो चुका है, जहां पर शाम 5 बजे उनका अंतिम संस्कार किया गया।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने श्यामला हिल्स स्थित उद्यान में बरगद, सप्तपर्णी और चंपा के पौधे लगाए।

मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान बीजेपी अध्यक्ष बीडी शर्मा के निवास पर होली की बधाई देने पहुंचे।

महिला कर्मचारियों को 7 दिन की अतिरिक्त छुट्टी

भोपाल। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर बड़ी घोषणा की है। उन्होंने राज्य की महिला कर्मचारियों को सात दिन का अतिरिक्त अवकाश देने की घोषणा की है। कल देर शाम सीएम शिवराज ने एकाधिक ट्वीट किए। उन्होंने कहा कि उनके जीवन का प्रमुख ध्येय माता, बहन और बेटियों का उत्थान ही है। उनका मानना है कि नारी शक्ति के सशक्तीकरण में ही प्रदेश और देश का उत्थान निहित है।

सीएम ने कहा कि महिलाएं आज हर कार्यक्षेत्र में कंधे से कंधा मिलाकर कर चल रही हैं, लेकिन उन पर मातृत्व और घर संभालने की जिम्मेदारी भी है। इसलिए हमने तय किया है कि हम सभी महिला कर्मचारियों को 7 दिवस का अतिरिक्त आकस्मिक अवकाश देंगे, जिसे वे अपनी आवश्यकता

अनुरूप उपयोग कर सकेंगी सीएम ने महिलाओं के लिए इन निर्णयों की भी जानकारी दी। 10वीं के बाद हायर सेकंडरी स्कूल व कॉलेज में बेटियों को वित्तीय साक्षरता के लिए पाठ पढ़ाया जाएगा।

बालिकाओं को स्किल ट्रेनिंग की व्यवस्था की जाएगी। इसमें हैंडलूम, कढ़ाई, पारंपरिक लोक कलाओं की ट्रेनिंग सम्मिलित होगी। महिला हथकरघा व हस्तशिल्प कारीगरों को एनआईडी व निफ्ट संस्थानों के माध्यम से आधुनिक डिजाइन्स और उन्नत तकनीक का प्रशिक्षण प्रदान कराया जाएगा।आईटीआई में अध्ययनरत छात्राओं को डिजिटल व वित्तीय लिटरेसी, अंग्रेजी, कम्युनिकेशन और वर्क रेडिनेस का 60 से 80 घंटे का प्रशिक्षण दिया जाएगा।आईटीआई में अध्ययनरत छात्राओं को रोजगार दिलवाने के उद्देश्य से विशेष प्रशिक्षण आयोजित किया जाएगा। जॉब फेयर लगेंगे।

प्रशासन की बड़ी कार्रवाई

17 शिक्षक सस्पेंड, 5 की सेवा समाप्त

खरगोन। जिले के दूरस्थ महाराष्ट्र की सीमावर्ती सिरवेल परीक्षा केन्द्र पर नकल कराने वाले रैकेट का पर्दाफाश के बाद अब प्रशासन ने बड़ी कार्यवाही करते हुए 22 शिक्षकों पर गाज गिराई है। केन्द्राध्यक्ष और सहायक केन्द्राध्यक्ष सहित 17 शिक्षकों को निलंबित किया है वहीं 5 अतिथि संविदा शिक्षकों की सेवा समाप्त कर दी है।

कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देश पर सहायक आयुक्त आदिवासी विकास ने आदेश जारी किये हैं। यह सम्भवतः मध्यप्रदेश में पहली बार नकल पर नकेल कसने को लेकर अब तक की सबसे बड़ी कार्यवाही है। दरअसल कलेक्टर वर्मा को सूचना मिली थी कि सिरवेल परीक्षा केन्द्र पर नकल कराई जाती है। 7 मार्च को कक्षा 10 वीं के सामाजिक विज्ञान के पेपर के दौरान कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के निर्देश पर एसडीएम ओमनारायण सिंह बड़कुल की अगुवाई में प्रशासन की सयुंक्त टीम ने नकल रैकेट का पर्दाफाश करते हुए 9 लोगों के खिलाफ पुलिस कार्यवाही की थी।

एसडीएम ओमनारायाण सिंह बड़कुल ने मीडिया को बताया कि कलेक्टर के निर्देश पर सिरवेल परीक्षा केन्द्र पर कार्यवाही के दौरान नकल कराने वाले रैकेट को पकड़ा था। आज कलेक्टर के निर्देश पर परीक्षा केन्द्र अध्यक्ष और सहायक केंन्द्रध्यक्ष सहित 17 शिक्षकों को निलंबित किया गया वहीं 5 संविदा अतिथि शिक्षकों की सेवा समाप्त की गई है। सिरवेल में ठेका लेकर विद्यार्थियों को बोर्ड परीक्षा पास कराने की चर्चा को लेकर एसडीएम का कहना था कि जाँच की जा रही है। परीक्षा अधिनियम के तहत विभिन्न धाराओं में पुलिस ने 9 लोगों, जिसमें एक महाराष्ट्र का भी आरोपी है, पर एफआईआर दर्ज की गई। पुलिस विवेचना के बाद ठोस कार्यवाही करेंगे।

एसडीएम ओमनारायण सिंह बड़कुल ने बताया कि कलेक्टर महोदय को सूचना थी और रात में ही टीम गठित कर ली गई थी। 7 मार्च सुबह सुबह हम मौके पर पहुंच गए थे। दूसरे रास्ते से वेश बदलकर हम लोग पहुंचे थे। सेंट्रल के पीछे ही एक स्थान पर बैठकर शिक्षक नकल सामग्री तैयार कर नकल करवा रहे थे। वहां जाने पर पता चला सहायक अध्यापक एक सुनसान मकान में नकल कराने की सामग्री तैयार करा रहा था। सुनसान मकान में जा पहुंचे तो वहां पर नकल कराने की सामग्री तैयार की जा रही थी और सुनियोजित तरीके से रैकेट काम कर रहा था। यह संभवतः प्रदेश की सबसे बड़ी कार्यवाही है। बताया जा रहा है कि ठेका पद्धति से सामूहिक नकल कराई जा रही थी। सुनसान स्थान पर बैठे शिक्षकों के पास से मोबाइल और मोबाइल में पेपर्स भी पाए गए। किताबें, कापियां और अन्य सामग्री भी पाई गई थी। जानकारी मिली है कि परीक्षा सेंटर का परिणाम 85 प्रतिशत था। आदिवासी बाहुल्य छोटे से स्कूल का परीक्षा परिणाम 85 प्रतिशत आने के बाद में पूर्व अधिकारियों ने संज्ञान नहीं लिया। कलेक्टर शिवराजसिंह वर्मा के संज्ञान के बाद नकल कराकर पास कराने वाले रैकेट का पर्दाफाश हुआ है।

प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री डा. प्रभुराम चौधरी ने जिला शीघ्र हस्तक्षेप केंद्र के नवीनीकृत भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर विधायक पीसी शर्मा एवं अन्य लोग मौजूद रहे।

महिला पुलिस ने चलाया बुलडोजर, 75 लाख की शासकीय भूमि अतिक्रमण मुक्त

दमोह। दमोह जिले में रनेह में सामूहिक दुष्कर्म मामले में आरोपी कौशल किशोर चौबे के शासकीय जमीन पर किए गए कब्जे को आज बुलडोजर चलाकर गिराया गया। गुरुवार को प्रशासन ने कार्यवाही को अंजाम देते हुए आरोपी के कृषि भूमि में बना घर और प्लाट कब्जा मुक्त किया। कार्यवाही के दौरान खास बात यह रही महिला अधिकारियों कर्मचारियों ने जिम्मा संभाला। इस दौरान हिनमतपटी रोड पर शासकीय भूमि करीब 7500 वर्ग फ़ीट, जिसमे एक कच्चा मकान और खेत कीमत करीब 75 लाख कीमत की शासकीय भूमि कब्जा मुक्त कराई गई है। यह कार्यवाही हटा एसडीओपी वीरेंद्र बहादुर सिंह और तहसीलदार रोहित सिंह राजपूत, नायब तहसीलदार विजय चौधरी के नेतृत्व में की गई। 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के बाद आज महिला अधिकारी-कर्मचारियों ने बुलडोजर कार्रवाई का जिम्मा संभाला। उपनिरीक्षक नित्या त्रिपाठी, रनेह थाना प्रभारी प्रसीता कुर्मी, उप निरीक्षक वन्दना गौर और उप निरीक्षक महमूदा बानो सहित महिला आरक्षकों ने बुलडोजर चलाकर कब्जा हटाने की कार्यवाही की। इस दौरान रनेह, मड़ियादो गैसाबाद, हटा, थाना पुलिस बल और राजस्व अमला मौजूद रहा द्यतहसीलदार रोहित राजपूत, बिजय चौधरी, पटवारी देवेंद्र पटेल की उपस्थिति रही। घटना के संबंध में सब इंस्पेक्टर प्रसीता कुर्मी ने बताया एक नाबालिक के साथ 4 लोगों ने सामूहिक दुष्कर्म किया था। तीन आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार किया जा चुका था, एक आरोपी को आज गिरफ्तार करके न्यायालय में पेश किया गया है। उन्होंने बताया एक आरोपी कौशल किशोर चौबे है, जिसने शासकीय जमीन पर अतिक्रमण करके मकान बनाया था, जिसे आज महिला बल सब इंस्पेक्टर नित्या त्रिपाठी, उप निरीक्षक बंदना गौर और उप निरीक्षक महमूदा बानो सहित महिला कर्मचारियों के द्वारा इस कमान को संभालते हुए अतिक्रमण को हटवाया गया है और आरोपी की गिरफ्तारी भी की गई है।

25 मार्च को आएंगे केंद्रीय मंत्री अमित शाह छिंदवाड़ा

छिंदवाड़ा। केंद्रीय मंत्री अमित शाह 19 मार्च के स्थान पर 25 मार्च को छिंदवाड़ा आएंगे बादलभोई के स्थान पर ना जाकर आचार कुंड में दादा धूनी वाले के दरबार में दर्शन करेंगे बताया जाता है की 25 मार्च को सुबह आएंगे आचार कुंड जाएंगे वहां दर्शन करेंगे उसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं की बैठक लेंगे और दोपहर में पुलिस ग्राउंड में आम सभा को संबोधित करेंगे छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ रहा है और यहां के नेता कमलनाथ है उनके पुत्र सासद हैं सातो विधानसभा कांग्रेस की है उन्होंने विधानसभा के चुनाव की तैयारी प्रारंभ कर दी है वह उनके पुत्र जिले का दौरा कर रहे हैं।

रंगपंचमी की गेर को विश्व धरोहर बनाने की कोशिश!

इंदौर। रंगपंचमी पर पूरा शहर रंगों से सराबोर होगा। शहर मध्य में परम्परागत रूप से निकाली जाने वाली 'गेर' को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिए फिर प्रयास किए जा रहे हैं। प्रशासन सभी दस्तावेजों के साथ पुख्ता प्रस्ताव तैयार करके भेज रहा है। दस्तावेजीकरण के लिए विभिन्न माध्यमों से दस्तावेज एकत्र किए जाएंगे। 'गेर' को लेकर फोटोग्राफी प्रतियोगिता इंदौर टूरिज्म प्रमोशनल कार्उसिल के माध्यम से आयोजित की जाएगी।

'गेर' संबंधी व्यवस्थाओं के लिए गेर आयोजकों की कलेक्टर ऑफिस में बैठक हुई। इस बैठक में पुलिस आयुक्त हरिनारायण चारी मिश्र, कलेक्टर डॉ इलैया राजा टी, अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनीष कपूरिया, एडीएम अजयदेव शर्मा तथा अभय बेडेकर सहित अन्य प्रशासनिक और पुलिस के अधिकारी मौजूद थे। बैठक में गेर आयोजन के संबंध में व्यवस्थाओं पर चर्चा की गई। गेर आयोजकों से उनके सुझाव भी लिए।

बताया गया कि शहर में हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी रंगपंचमी पर 'गेर' निकलेंगी। यह गेर अपने परंपरागत मार्गों से निकाली जाएगी।

बताया गया कि रंगपंचमी पर टोरी कार्नर महोत्सव समिति, संगम कॉर्नर, मोरल क्लब, रसिया कार्नर, राधाकृष्ण फाग यात्रा, श्री कृष्ण फाग यात्रा, संस्था संस्कार, बाणेश्वर समिति, माधव फाग यात्रा आदि द्वारा गेर/फाग यात्रा निकाली जाएगी। इसके अलावा अन्य संस्थाओं द्वारा भी शहर के विभिन्न क्षेत्रों में रंगारंग गेर निकाली जाएंगी।

दस्तावेजों के साथ प्रस्ताव भेजा जाएगा- बैठक में कलेक्टर ने कहा कि इंदौर की परंपरागत गेर को यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में शामिल कराने के लिये एक बार फिर पुरजोर प्रयास किए जाएंगे। दस्तावेजों के साथ प्रस्ताव तैयार कर भेजा जाएगा। उन्होंने आग्रह किया कि जिनके पास भी गेर के संबंध में दस्तावेज हो, वे कलेक्टर कार्यालय में जमा करा सकतें है। उन्होंने कहा कि इस बार दस्तावेजीकरण पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

फोटोग्राफ, वीडियो सहित अन्य दस्तावेजों का संग्रहण होगा। बैठक में उन्होंने कहा कि बेहतर प्रबंधन के साथ गेर का आयोजन हो। आयोजक अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करें। अनुशासन का पूरा ध्यान रखा जाए। वॉलेंटियर्स की सूची पुलिस दी जाए। उन्होंने निर्देश दिये कि राजबाड़ा, गोपाल मंदिर सहित अन्य प्रमुख भवनों के सौंदर्यीकरण के संरक्षण के लिये उन्हें अच्छे से कवर किया जाये। उन्होंने विद्युत सुरक्षा पर भी विशेष ध्यान रखने के निर्देश दिये। साथ ही कहा कि खतरनाक भवनों को चिन्हित कर उन पर सूचना पटल लगाया जाए।

सुरक्षा व्यवस्था संबंधी जानकारी

पुलिस आयुक्त ने सुरक्षा व्यवस्था संबंधी जानकारी दी। उन्होंने कहा कि गेर के दौरान सीसीटीवी और अन्य माध्यमों से निगरानी रखी जाएगी। उन्होंने कहा कि यह प्रयास किए जाएं कि कोई भी व्यक्ति मदिरा या अन्य मादक पदार्थ पीकर गेर में शामिल न हो। महिलाओं की सुरक्षा पर विशेष ध्यान रखा जाएगा। उन्होंने कहा कि आयोजन के दौरान किसी के भी साथ अभद्रता का व्यवहार नहीं हो। इंदौर की गौरवशाली परम्परा को पूरी तरह कायम रखा जाए। बैठक में सभी संबंधित विभागों को बेरिकेटिंग, आकस्मिक चिकित्सा व्यवस्था, जल की उपलब्धता, मार्ग दुरुस्तीकरण आदि की जवाबदारी सौंपी गई है।